



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 7—अगस्त 13, 2010 (श्रावण 16, 1932)

No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 7—AUGUST 13, 2009 (SRAVANA 16, 1932)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

कोलकाता-700001, दिनांक

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (शेयर एवं बैठकें) विनियम, 2010

बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का निदेशक मंडल भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श के पश्चात् केन्द्रीय सरकार के पूर्व मंजूरी से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, जो नामतः

अध्याय-1

प्रस्तावना

1. (i) ये विनियम युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (शेयर एवं बैठकें) विनियम, 2010 के रूप में जाने जाएंगे।
(ii) ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।
2. परिभाषाएं :—इन विनियमों में बर्तावी विषय/संदर्भ अथवा उसके अर्थ के प्रतिकूल न हो :
 - (क) "अधिनियम" का अभिप्राय बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) है।
 - (ख) "बैंक" का अभिप्राय अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत गठित युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया है।
 - (ग) "बोर्ड" का अभिप्राय अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत गठित निदेशक मंडल से है।
 - (घ) 'चेयरमैन' का अभिप्राय बोर्ड के अध्यक्ष से है।
 - (ङ) 'समिति' का अभिप्राय विनियम 2 "गए" के अंतर्गत गठित समिति से है।
 - (च) 'कार्यकारी निदेशक' का अभिप्राय पूर्णकालिक निदेशक से है।

- (छ) 'महाप्रबंधक' का अभिप्राय बैंक के महाप्रबंधक से है।
- (ज) 'प्रबंध निदेशक' का अभिप्राय बैंक के प्रबंध निदेशक से है।
- (अ) 'रजिस्टर' का अभिप्राय बैंक के एक या एकाधिक पुस्तिकारों में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर तथा अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2ल) के अंतर्गत कम्प्यूटर फ्लापी अथवा डिस्कट्रूस में रखे गए शेयरधारकों का रजिस्टर भी शामिल है एवं निष्केप अधिनियम, 1996 (1996 का 22) की धारा-II के अंतर्गत निष्केपी द्वारा हिताधिकारी मालिकों के रजिस्टर का अनुरक्षण किया जाता है।
- (ट) 'रजिस्ट्रर' का अभिप्राय बैंक द्वारा नियुक्त व्यक्ति से है जो निम्नलिखित कार्यों को सम्पन्न करता है :—
- एक निर्गम के संबंध में निवेशकों से आवेदनों का संग्रह करना;
 - निवेशकों से प्राप्त आवेदनों तथा धन तथा प्रतिभूतियों के लिए बिक्रेतारों को किए गए भुगतान का समुचित अभिलेख रखना;
 - निम्नलिखित कार्यों हेतु बैंक की सहायता करना :—
 - स्टॉक एक्सचेंज के साथ परामर्श करके प्रतिभूतियों के आवंटन के आधार का निर्धारण करना।
 - प्रतिभूतियों के आवंटन के लिए पात्र व्यक्तियों की सूची को अंतिम रूप प्रदान करना।
 - आबंटन पत्रों का प्रसंस्करण एवं प्रेषण भुगतान आदेशों या प्रमाणपत्रों तथा निर्गम से संबंधित कागजातों, और
 - बैंक द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए गए ऐसे अन्य कार्यों का निष्पादन करना,
- (ठ) 'योजना' का अभिप्राय राष्ट्रीयकृत बैंकों (प्रबंधन एवं विविध प्रावधानों) योजना, 1970 से है;
- (ड) 'शेयर' से अभिप्राय बैंक के शेयर पूँजी में शेयर से है;
- (ढ) "शेयर अंतरण एजेंट" में निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—
- बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के धारकों का बैंक की ओर से जो रख-रखाव करता हो, कोई भी व्यक्ति तथा जो अंतरण तथा प्रतिभूतियों के प्रतिदेय से संबंधित सभी मापलों को संभालता हो, अथवा
 - बैंक का एक विभाग या प्रभाग (चाहे जिस नाम से पुकारा जाए) जो उप खंड-I में वर्णित कार्यकलापों का निष्पादन करता हो।
- (ण) अध्याय-III में व्यवहत शब्दों एवं अभिव्यक्तियां तथा जिन्हें इन विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया हो, किन्तु निष्केपागर अधिनियम, 1996 (अधिनियम 1996 का 22) में परिभाषित किया गया है, क्रमशः वही अभिप्राय होगा जिसे उक्त अधिनियम में उन्हें समनुदेशित किया गया है।
- (त) यहां प्रयोग किए गए शब्द एवं अभिव्यक्तियां-जिनको इन विनियमों में परिभाषित नहीं किया गया है किन्तु अधिनियमों अथवा योजनाओं में परिभाषित किया गया है अथवा भारतीय प्रतिभूति बोर्ड द्वारा जारी मार्ग निर्देशों में दिया गया है और अधिनियम 3 की उपधारा 2(बी) के खंड(ग) के परंतुक के तहत प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा तैयार मार्गनिर्देश में दिया गया है, का क्रमशः एक ही अर्थ है जो उस अधिनियम में समनुदेशित है या उस योजना में है या भारतीय प्रतिभूति बोर्ड या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी मार्गनिर्देश में है।
- 2(क)(i) विनियम 59 के खंड-II में जैसा कि दिया गया है, को छोड़कर बोर्ड जब कभी भी आवश्यक हो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक एवं अन्य दो निदेशकों, जो भी उचित समझें, इन विनियमों के उद्देश्य के लिए एक समिति का गठन करेंगे।
- (ii) इस विनियम के तहत गठित समिति इन नियमों की प्रक्रियावधि का पर्यवेक्षण बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट तरीके से करेगी।

अध्याय-II

शेयर एवं शेयर रजिस्टर

3. शेयर की प्रकृति

बैंक के शेयर चल संपत्ति होंगे तथा इन विनियमों के तहत प्रदान किए गए रूप में अंतरणीय होंगे।

4. शेयर पूँजी के प्रकार

- अधिमानी शेयर पूँजी का अर्थ है बैंक के शेयर पूँजी का वह भाग जो निम्नलिखित दोनों शर्तें पूरी करते हों :—
 - लाभांश के रूप में यह एक निर्धारित राशि के भुगतान किए जाने का एक अधिमानी अधिकार वहन करता है अथवा नियत दर पर परिगणित राशि जो या तो मुक्त होता है या आयकर का विषय होता है तथा
 - पूँजी के रूप में यह पूँजी की भुगतान के समाप्ति पर पूँजी की राशि के भुगतान का अधिमानी अधिकार वहन करता है अथवा करेगा जहां प्रदत्त या प्रदत्त किया गया समझा जाए जहां निम्नलिखित राशि के भुगतान का अधिमानी अधिकार हो अथवा नहीं :—
 - कोई भी अशोधित राशि जैसा कि खंड(क) में विनिर्दिष्ट राशि से संबंधित हो समाप्ति की तारीख तक या पूँजी के भुगतान तक, और
 - केन्द्रीय सरकार की पूर्व सहमति से बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट कोई नियत प्रीमियम अथवा किसी नियत माप पर प्रीमियम।

- (ii) “ईक्विटी शेयर पूँजी” का अधिकारी समस्त शेयर पूँजी से है जो अधिमान्य शेयर पूँजी न हो।
 (iii) “अधिमान्य शेयर” एवं “ईक्विटी शेयर” का तदनुसार आशय होगा।

- 4(क) (1) बैंक पब्लिक निर्गम अथवा अधिमान्य आबंटन या ईक्विटी शेयरों अथवा अधिमानी शेयरों की निजी प्रतिस्थापन द्वारा पूँजी अर्जन कर सकेगा।
 (2) ऐसे पूँजी बढ़ाने के संबंध में बैंक एक प्रस्ताव तैयार करेगा जो प्रतिभूतियाँ एवं विनियम बोर्ड के मार्गदर्शी, नियमों या विनियमों के अनुसार पूँजी अर्जन कर सके।
 (3) पब्लिक निर्गम या अधिमान्य आबंटन अथवा अधिमान शेयरों का निजी प्रतिस्थापन से पूँजी अर्जन हेतु ऐसे अधिमान शेयरों के प्रति वर्ग के निर्गम तक (चाहे बेमियादी या अप्रतिदेय या प्रतिदेय जो भी हो) तथा बैंक द्वारा जारी किया गए ऐसे अधिमान शेयरों का प्रतिवर्ग अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2 ख) के खंड (ग) के परंतुकों में निहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तैयार किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित होगा।
 (4) प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के पूर्व बैंक प्रस्ताव को भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुत करेगा तथा भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों को ध्यान में रखेगा।
 (5) तत्पश्चात् अंतिम प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार के समक्ष मंजूरी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा तथा केन्द्रीय सरकार शर्तों के अधीन जैसा वह उचित समझे, मंजूरी प्रदान करेगी।
 (6) केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई मंजूरी के अनुसार बैंक पूँजी की उगाही करेगा।

5. पुस्तिका में प्रविष्टि हेतु विवरणियाँ

- (i) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (च) के अनुसार एक शेयर पुस्तिका रखी जाती है, उसका रख-रखाव किया जाता है एवं उसे अद्यतन किया जाता है।
 (ii) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (च) में विनिर्दिष्ट विवरणियों के अतिरिक्त बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसी अन्य विवरणियों को पुस्तिका में प्रविष्टि की जाएगी।
 (iii) किसी शेयर के संयुक्त धारकों के मामले में उप-विवरण (i) में अपेक्षित उनके नामों एवं अन्य विवरणियों को ऐसे संयुक्त धारकों के प्रथम नाम के तहत समूहित किया जाएगा।
 (iv) अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (घ) के प्रावधानों के अनुसार एक शेयरधारक जो भारत के बाहर रहता हो वह बैंक को भारत में निवास का पता देगा और यह पता पुस्तिका में भी दर्ज किया जाएगा जिसे अधिनियम एवं इन विनियमों हेतु पंजीकृत पता समझा जाएगा।

- 5(क) (i) जब तक पुस्तिका एक ऐसे रूप में रहे जो अपने आप में सूचीबद्ध हो एक सूची रखी जाए जो शेयर धारकों के नामों की कार्डनुमा सूची हो, बैंक चौदह दिनों के भीतर शेयरधारकों को पुस्तिका में कोई परिवर्तन होने के पश्चात् सूची में आवश्यक परिवर्तन करेगा।
 (ii) शेयर धारकों की पुस्तिका के साथ सूची रखी जाएगी।

6. शेयरों एवं रजिस्टरों पर नियंत्रण :

अधिनियम के प्रावधानों एवं इन विनियमों के अनुसरण में तथा ऐसे दिशा निर्देश जिसे बोर्ड समय-समय पर जारी करता हो, पुस्तिका का रख-रखाव बैंक के प्रधान कार्यालय में किया जाएगा तथा बोर्ड के नियंत्रण के अधीन रहेगा तथा एक व्यक्ति किसी शेयर के मामले में शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने का हकदार है। अथवा नहीं, बोर्ड का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

7. पारियाँ जो शेयरधारक के रूप में पंजीकृत नहीं की जा सकती ।
- इन विनियमों में अन्यथा किए गए प्रावधानों के सिवाय वे सभी व्यक्ति जो संविदा के लिए सक्षम नहीं हैं शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने के हकदार नहीं होंगे तथा इस संबंध में बोर्ड का निर्णय अतिम माना जाएगा ।
 - भागीदारी फर्मों के मामले में वैयक्तिक भागीदारों के नाम से शेयर पंजीकृत किए जाएँगे तथा कोई भी ऐसा कर्म शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने के हकदार नहीं होगा ।
8. कंप्यूटर प्रणाली इत्यादि में शेयर पुस्तिकाओं का रख-रखाव :
- अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा 2 (च) के तहत जिसे विनियम 5 में किए गए उल्लेख के साथ पढ़ा जाए, शेयर पुस्तिका में प्रविष्टि के लिए अपेक्षित विनियम को अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (छ) के अंतर्गत कंप्यूटरों में मैनेटिक/आस्ट्रिकल/मैग्नेटो आस्ट्रिकल मिडिया के रूप में रखे गए ऑकड़े डिस्केटेस, फ्लापी, कार्टरिज अथवा अन्य प्रकार से (इसके बाद “मिडिया” के रूप में संदर्भित है) प्रधान कार्यालय में फ्लापी, कार्टरिज अथवा अन्य प्रकार से (इसके बाद “मिडिया” के रूप में संदर्भित है) प्रधान कार्यालय में इसका रख-रखाव किया जाएगा तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा या अन्य कोई पदनामित अधिकारी जो इसका रख-रखाव किया जाएगा तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के मार्फत समय-समय पर लिए गए सहायक स्थान संबंधी निर्णय लिए जाएँगे । (इसके बाद “पदनामित अधिकारी” को संदर्भित है ।)
 - अधिनियम की धारा 3(बी) जिसे निक्षेपागार अधिनियम, 1996 की धारा II के साथ पढ़ा जाए, के अंतर्गत शेयर पुस्तिकाओं में विवरणियों की प्रविष्टि अपेक्षित है, को इलेक्ट्रॉनिक रूप में इस प्रकार रख-रखाव किया जाएगा जैसा कि उसमें विनिर्दिष्ट है ।
 - सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (2000 का 21) के तहत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख के रख-रखाव के लिए जो सुरक्षा उपाय निर्धारित है उसी के अनुरूप पुस्तिका इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखी जाएंगी ।
9. कंप्यूटर प्रणाली के संरक्षण हेतु सुरक्षा के उपाय :
- विनियम 8(i) में निर्धारित प्रणाली के अनुसार जिसमें ऑकड़े संग्रहित किए गए हैं उसे निर्गम के पंजीकार/अथवा शेयर हस्तांतरण एजेंट सहित ऐसे व्यक्तियों तक ही प्रतिबंधित रखा जाएगा, जिसे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी के मार्फत उसके लिए प्राधिकृत किया गया हो एवं यदि कोई पासवर्ड हो तथा इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली को उक्त व्यक्ति की अधिरक्षा में गोपनीय रूप में रखा जाएगा ।
 - प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा पहुँच कंप्यूटर प्रणाली द्वारा लोग में अभिलेखित होगा तथा ऐसे लोग अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या पदनामित अधिकारी के मार्फत पदनामित अधिकारी/व्यक्ति के पास परिरक्षित रहेगा ।
 - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट अंतराल पर शेयर धारकों की पुस्तिका में परिवर्तनों को शामिल करते हुए स्थानांतरणीय मिडिया में सहायक प्रतियाँ रखी जाएंगी । इन प्रतियों की कम से कम एक प्रति ऐसे स्थान पर संग्रह करके रखी जाएंगी जिस परिसर में इसमें बंद करने की व्यवस्था होगी एवं अपेक्षित तापमान होगा । दोनों ही स्थानों की पहुँच को केवल जिसमें बंद करने की व्यवस्था होगी एवं अपेक्षित तापमान होगा । इस प्रति को एक अग्नि रक्षक बातावरण में संग्रहित किया जाएगा । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति तक ही सीमित रखा जाएगा । ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा उक्त स्थान पर रखे अनुदेश पुस्तिका में अपने आने का अभिलेख करना होगा ।
 - प्राधिकृत व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि कंप्यूटर प्रणाली में सटीक सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए बैक-अप की ऑकड़ों की तुलना करते हुए उसकी यथातथ्यता सुनिश्चित करेंगे ।
 - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विशेष या सामान्य आदेश द्वारा अनुदेशों में योग अथवा संशोधन, कंप्यूटर_प्रणाली में तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए तथा/या स्थिति की अपरिहार्यता को देखते हुए या कोई अन्य संगत प्रतिफल की दृष्टि से सुरक्षा संबंधी निर्धारण करने में सक्षम होंगे ।

10. संयुक्त धारकों के अधिकारों का प्रयोग :

यदि कोई शेयर दो या दो से अधिक व्यक्तियों के नाम में हो तो शेयर के अंतरण को छोड़कर प्रथम व्यक्ति का नाम बोट देने, लाभांश प्राप्त करने, सूचना जारी करने तथा बैंक से संबंधित सभी या किसी भी विषय के लिए एकमात्र धारक होंगे।

11. रजिस्टर का निरीक्षण

- (i) विनियम 12 के तहत बंद अवधि को छोड़कर शेयरधारक रजिस्टर निरीक्षण हेतु निःशुल्क खोला जाएगा जो कार्य समय के दौरान जहाँ इसका रख-रखाव किया जाता है बशर्ते ऐसा यथोचित प्रतिबंध बोर्ड लागू कर सकता है किन्तु प्रत्येक कार्यदिवस में दो घंटा के लिए निरीक्षण की अनुमति दी जाएगी।
- (ii) कोई भी शेयरधारक रजिस्टर की किसी भी प्रविष्टि में उद्धरण बना सकता है अथवा निःशुल्क कंप्यूटर प्रति या यदि वे चाहते हों तो रजिस्टर की कंप्यूटर प्रति या उसके किसी हिस्से की प्रति रु.5/- की दर से पूर्व भुगतान करने पर आपूर्ति की जाएगी अथवा ऐसी कोई भी दर जिसे बोर्ड प्रति 1000 शब्दों या उसके आंशिक हिस्से को जितनी आवश्यकता है, के लिए निर्धारित कर सकता है।
- (iii) उप-विनियम (ii) में निहित अन्य बातों के होते हुए भी विधिवत प्राधिकृत सरकारी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रति बना सकते हैं या रजिस्टर की एक प्रति या उसका कोई हिस्सा प्रस्तुत कर सकते हैं।

12. रजिस्टर को बंद करना :

बैंक लागू होने वाले दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए तथा स्टॉक एक्सचेंज के साथ सूचीकरण करार के पश्चात् तथा भारत में परिचालित कम से कम दो समाचार पत्रों में विज्ञापन द्वारा कम से कम सात दिन पूर्व सूचना देने के पश्चात् किसी अवधि के लिए शेयर धारकों का रजिस्टर बंद कर सकता है अथवा प्रतिवर्ष में औसत पैतालीस दिनों से अधिक अवधि नहीं होगी, किन्तु किसी भी एक समय में तीस दिन से अधिक नहीं होगी जैसा कि इसके विचार से आवश्यक हो।

13. शेयर प्रमाण पत्र :

- (i) प्रत्येक शेयर प्रमाण पत्र की एक शेयर प्रमाण पत्र संख्या होगी, एक विभेदक संख्या होगी जिसके संबंध में शेयर संख्या जारी की जाती है तथा शेयरधारक का नाम जिसे यह जारी किया जाता है तथा यह एक ऐसे रूप में होगा जैसा कि बोर्ड विनिर्दिष्ट करेगा।
- (ii) प्रत्येक शेयर-प्रमाण पत्र बोर्ड द्वारा पारित संकल्प के अनुसरण में बैंक के सामान्य मुहर के अंतर्गत जारी किया जाएगा तथा दो निदेशकों एवं किसी अन्य अधिकारी, जो वेतनमान II के स्तर के नीचे न हों अथवा बोर्ड द्वारा नियुक्त कंपनी सेक्रेटरी इस उद्देश्य से हस्ताक्षर करेंगे। बशर्ते, निदेशकों के हस्ताक्षर बोर्ड के निदेशानुसार मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ अथवा अन्य यांत्रिक पद्धति से तैयार किए गए हों।
- (iii) इस प्रकार से मुद्रित, उत्कीर्ण, लिथोग्राफ अथवा अन्य प्रकार से किए गए हस्ताक्षर स्वयं हस्ताक्षरकर्ता के हाथ से किए गए हस्ताक्षर के समान वैध/मान्य होंगे।
- (iv) उपर्युक्त प्रकार के हस्ताक्षर के बिना कोई भी शेयर प्रमाण पत्र वैध नहीं होगा। उपर्युक्त रूप में हस्ताक्षरित शेयर प्रमाण पत्र वैध एवं बाध्यतामूलक होगा; इस बात के होते हुए भी कि उसके जारी होने के पहले उस पर हस्ताक्षर करनेवाला व्यक्ति अब बैंक की ओर से शेयर प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने का प्राधिकारी न हो।

14. शेयर प्रमाण पत्रों को जारी किया जाना :

- (i) किसी शेयरधारक को शेयर जारी करते समय, यह बोर्ड का अधिकार होगा कि प्रत्येक सौ शेयरों या उनके गुणकों के लिए एक प्रमाण पत्र के आधार पर शेयरों को जारी करे, जो किसी एक अवसर पर उनके नाम में पंजीकृत हैं एवं शेयरों की संख्या, जो उसके ऊपर जारी किए गए हैं, परन्तु सौ से कम है इसलिए एक अतिरिक्त शेयर प्रमाण पत्र जारी होगा।

- (ii) यदि पंजीकृत होने वाले शेयरों की संख्या सौ से कम है, एक प्रमाण पत्र सभी के लिए जारी किया जायेगा ।
 (iii) किसी शेयर या शेयरों के मामले में, जिसमें संयुक्त रूप से अनेकों लोग शामिल हैं, बैंक एक से ज्यादा प्रमाण पत्र जारी करने के लिए बाध्य नहीं होगा एवं प्रत्येक शेयरधारकों के लिए एक प्रमाण पत्र ही सुपुर्दगी पर्याप्त होगी ।

15. नये या अनुलिपि शेयर प्रमाण पत्रों को जारी किया जाना :

- (i) यदि कोई शेयर प्रमाण पत्र फटा-पुराना या विकृत हो जाता है, ऐसे में बोर्ड या इसके द्वारा प्राधिकृत समिति के समक्ष इसे प्रस्तुत किए जाने पर, इसे निरस्त करने का आदेश इसके बदले नये प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दिया जायेगा ।
 (ii) यदि कोई शेयर प्रमाण पत्र कथित रूप से गुम या नष्ट हो जाता है, ऐसी स्थिति में बोर्ड या इसके द्वारा प्राधिकृत समिति इस तरह की क्षतिपूर्ति के साथ या बिना क्षतिपूर्ति के, जो बोर्ड या समिति सही सोचती है, दो समाचार पत्रों में इसके प्रकाशन के पश्चात्, जिस पर होने वाला व्यय शेयरधारक को बैंक को भुगतान करना होगा, उसके बदले अनुलिपि प्रमाण पत्र जारी करेगा ।

16. समेकन एवं शेयरों का उप विभाजन :

शेयर होल्डर के लिखित आवेदन पर, बोर्ड या इसके द्वारा प्राधिकृत समिति शेयरधारक द्वारा प्राप्त समेकन या शेयरों के उप विभाजन के प्रस्ताव पर विचार करते हुए इस संबंध में बैंक के लागत, प्रभार एवं अन्य अनुषंगी व्ययों का भुगतान लेकर इसके बदले एक नया प्रमाण पत्र जारी कर सकता है ।

17. शेयरों का अंतरण :

- (i) बैंक के शेयरों का प्रत्येक अंतरण संलग्न परिशिष्ट 'क' प्ररूप में अंतरण के अनुदेश या बैंक द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किसी अन्य रूप में होगा एवं वह विधिवत् मुद्रांकित, दिनांकित एवं उनके द्वारा कार्यान्वित होगा या संबंधित शेयर प्रमाण पत्र के साथ स्थानान्तरणकर्ता एवं स्थानान्तरिती के पक्ष में होगा ।
 (ii) अंतरण का अनुदेश शेयर सर्टिफिकेट के साथ बैंक के प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत होगा एवं स्थानान्तरकर्ता वैसे शेयरों का धारक तब तक रहेगा जब तक कि शेयर वही में स्थानान्तरिती के नाम की प्रविष्टि नहीं हो जाती ।
 (iii) शेयर प्रमाण पत्र के साथ अंतरण का अनुदेश बैंक को प्राप्त होने पर बोर्ड या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत समिति उक्त अंतरण के अनुदेश को शेयर प्रमाण पत्र के साथ रजिस्ट्रार या शेयर अभिकर्ता को सत्यापन के उद्देश्य से कि तकनीकी अपेक्षाओं का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है, अग्रेषित करेगा । रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अभिकर्ता शेयर प्रमाण पत्र के साथ अंतरण का अनुदेश, यदि कोई हो, तो स्थानान्तरिती को पुनः प्रस्तुत करने हेतु वापस करेगा तबतक कि अंतरण का अनुदेश बैंक को प्रस्तुत किया जाता है, जो विधिवत् मुद्रांकित एवं पंजीकरण हेतु समुचित ढंग से क्रियान्वित होता है एवं संबंधित शेयर प्रमाण पत्र उसके साथ संलग्न किया जाता है एवं इस तरह के अन्य साक्ष्य, जो कि इस तरह के अंतरण हेतु स्थानान्तरणकर्ता के स्वत्वाधिकार को दर्शाने हेतु बोर्ड को अपेक्षित है, लागू नहीं होगा ।

व्याख्या : “तकनीकी आवश्यकताएं” यानि

- (क) अंतरण विलेख पूरी तरह मुद्रांकित होगा ;
 (ख) प्रमाण पत्र सं. या अंतरण विलेख में उल्लिखित विशिष्ट सं. शेयर प्रमाण पत्र से मिलना चाहिए ;
 (ग) स्थानान्तरणकर्ता का हस्ताक्षर मिलना चाहिए ।
 (घ) अंतरण विलेख प्रमाणित होगा ।
 (iv) बोर्ड या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत समिति, यदि विनियमन 19 के अंतर्गत अंतरण को पंजीकृत करने से इंकार करता है, वैसी स्थिति में अंतरण को पंजीकृत करना पड़ेगा ।

- (v) यदि विनियमन 19 के अंतर्गत शेयरों का अंतरण इन्कार नहीं किया जाता है, शेयर प्रमाण पत्र, जो विधिवत् स्थानान्तरित किया गया है, अंतरण के अनुदेश को प्रस्तुत करने की तिथि से 60 दिनों के भीतर स्थानांतरिती को सुपुर्द करना होगा ।
18. अंतरण को निलंबित करने की शक्ति
बोर्ड या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत समिति उस अवधि में जिसमें बही बंद है किसी तरह का अंतरण पंजीकृत नहीं करेगा ।
19. बोर्ड को शेयरों के अंतरण के पंजीकरण को इंकार करने का अधिकार प्राप्त है ।
- (i) स्थानांतरिती के नाम में किसी शेयर के अंतरण को किसी एक आधार पर या अधिक आधार पर एवं इसके अतिरिक्त किसी अन्य आधार पर बोर्ड या समिति को इंकार करने का अधिकार प्राप्त है :
- (क) शेयरों का अंतरण अधिनियम या विनियमनों के अंतर्गत बनाए गए प्रावधानों का उल्लंघन है या कोई अन्य कानून या इस तरह के पंजीकरण से संबंधित कानून के अंतर्गत कोई अन्य अपेक्षाएँ, जिसका अनुपालन नहीं किया गया है ;
- (ख) बोर्ड की राय में शेयरों का अंतरण बैंक के हित या लोक हित के प्रतिकूल है ।
- (ग) शेयरों का अंतरण न्यायालय के आदेश, ट्रिब्यूनल या किसी कानून के तहत प्राधिकार प्राप्त प्रावधान द्वारा कुछ समय के लिए निषिद्ध किया जाता है ।
- (घ) कोई व्यक्ति या भारत के बाहर का निवासी कंपनी या कानून के अंतर्गत निगमित कोई कंपनी, जो भारत में लागू नहीं है या इस तरह के कंपनी की कोई शाखा, चाहे वह भारत का निवासी है या नहीं, बैंक के शेयरों को इसके परिणामस्वरूप रोक सकता है या प्राप्त कर सकता है एवं कुल में इस तरह का निवेश प्रदत्त पूँजी 20% (बीस) होकर प्रतिशत को बढ़ायेगा या भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट, जैसी भी स्थिति हो ।
- (ii) पंजीकरण के प्रयोजन से बैंक को प्राप्त अंतरण के अनुदेश के मामले में उप विनियमन (i) में संदर्भित अधोलिखित आधार पर इस तरह के पंजीकरण को नकारने या स्वीकार करने का अधिकार बोर्ड या समिति को प्राप्त होगा -
- (क) यदि यह राय बनती है कि इस तरह का पंजीकरण इंकार नहीं किया जाना चाहिए तभी पंजीकरण प्रभावी है एवं
- (ख) यदि यह राय बनती है कि इस तरह के पंजीकरण में उप विनियमन (i) में उल्लिखित किसी भी आधार पर इन्कार किया जाता है, वैसी स्थिति में उसे स्थानान्तरणकर्ता एवं स्थानांतरिती को सूचना के माध्यम से अंतरण फार्म की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर सूचित किया जाये या इस अवधि के भीतर संबंधित स्टॉक एक्सचेंज के पास लिस्टिंग एग्रीमेंट में शामिल किया जाये ।
20. मृत्यु, दिवालियापन इत्यादि के मामले में शेयर संचरण
- (i) भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के भाग-X के अंतर्गत जारी एक उत्तराधिकार प्रमाण पत्र या बिना संलग्न बिल या लेटर्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन के साथ या प्रोबेट के पत्र का धारक या एक शेयर के मामले में मृत शेयर धारक का एडमिनिस्ट्रेटर या एक्सक्यूटर या किसी वैध अभ्यावेदन का धारक या एक व्यक्ति, जिसके हित में एक वैध अंतरण का अनुदेश, जो मृतक पूर्ण धारक द्वारा अपने जीवन काल में कार्यान्वित किया गया था, बैंक द्वारा उसी व्यक्ति को इस तरह के शेयर का स्वत्वाधिकारी माना जायेगा ।
- (ii) दो या उससे अधिक शेयरधारकों के नाम में पंजीकृत उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों एवं अंतिम उत्तरजीवी के के मृत्यु पर, उसको कार्यान्वित करने वाला या एडमिनिस्ट्रेटर या कोई व्यक्ति, जो प्रोबेट के पत्र का धारक है या बिना लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन के या उसके साथ शेयर में इस तरह के उत्तरजीवी के हित के संबंध में कोई अन्य कानूनी अभ्यावेदन या उत्तराधिकार प्रमाण पत्र संलग्न करेगा या इन व्यक्तियों द्वारा एक व्यक्ति के

- हित में एक वैध अंतरण का अनुदेश कार्यान्वित करने पर अंतिम उत्तरजीवी, बाद के जीवन काल में बैंक द्वारा इस तरह के शेयर का स्वत्वाधिकारी माना जायेगा ।
- (iii) बैंक इस तरह के निष्पादनकर्ता या एडमिनिस्ट्रेटर को पहचान करने के लिए बाध्य नहीं है जबतक कि उन्हें प्रोबेट या लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन या उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, जैसी स्थिति हो, सक्षम क्षेत्राधिकार के न्यायालय से प्राप्त न हो ।
- बशर्ते कि जहाँ बोर्ड अपने विवेकाधिकार से किसी मामले को सही मानती है, यह बोर्ड के लिए विधिः होगा कि प्रोबेट के पत्र या लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन या उत्तराधिकार प्राप्ताण पत्र या इस तरह के अन्य वैध अध्यावेदन के प्रस्तुत किए जाने पर क्षतिपूर्ति या अन्य ढंग से, जैसा सही सोचती है, इसका निष्पादन करे ।
- (iv) कोई व्यक्ति जो किसी शेयरधारक के मृत्योपरांत शेयर का हकदार होता है एवं कोई व्यक्ति, जो किसी शेयरधारक के दिवालियेन या एक शेयरधारक के समाप्त हो जाने की स्थिति में इस तरह के साथ्यों को प्रस्तुत करता है जिसकी बोर्ड को जरूरत हो, अधोलिखित अधिकार प्राप्त होगा :
- (क) इस तरह के शेयर के मामले में एक शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होना
- (ख) इस तरह के शेयर का अंतरण तैयार करना, जिसमें उस व्यक्ति के रूप में, स्वत्वाधिकार प्राप्त किया गया हो ।
21. शेयरधारक, जो पंजीकृत होने योग्य नहीं है
- यह शेयरधारक के रूप में पंजीकृत होने वाले व्यक्ति का दायित्व होगा, चाहे वह अकेले या संयुक्त रूप से किसी के साथ या अन्य के साथ पंजीकृत योग्य नहीं होने की स्थिति में, किसी शेयर के मामले में निदेशक मंडल को इस संबंध में सूचित किया जाये ।
- व्याख्या - इस विनियमन के प्रयोजन हेतु एक शेयरधारक पंजीकरण हेतु योग्य नहीं होने की स्थिति में -
- (क) यदि वह अवयस्क का अभिभावक है, अवयस्क के बालिग होने पर
- (ख) यदि वह कर्ता के रूप में शेयरों का धारक है, उनके कर्ता के रूप में शक्तियों के समाप्त होने पर ।
22. शेयरों का कॉल
- बोर्ड समय-समय पर जब सही समझे शेयरधारकों को शेयरों से संबंधित नहीं किए गए अदायगी के संबंध में सभी राशियों के लिए, जो उनके पास हैं, कॉल कर सकती है, जो आबंटन की शर्तों के अनुसार हैं, निर्धारित समय पर अदा नहीं की जानी है एवं प्रत्येक शेयरधारक प्रत्येक कॉल की राशि का भुगतान करेगा एवं समय तथा जगह बोर्ड निर्धारित करेगा । एक कॉल की किस्तों में अदायगी की जा सकती है ।
23. संकल्प से कॉल की तिथि तक
- बोर्ड का संकल्प इस तरह के कॉल को प्राधिकृत करते हुए उस समय पर एक कॉल को किया गया मानेगा और जब उसे पारित करेगा वैसी स्थिति में उस तिथि पर बही में शेयरधारकों द्वारा भुगतान की जायेगी या बोर्ड द्वारा निर्धारित इस तरह के तदन्तर तिथि पर बोर्ड के विवेकाधिकार के अनुसार होगी, जैसी भी स्थिति हो ।
24. कॉल की सूचना
- भुगतान के समय को विनिर्दिष्ट करते हुए प्रत्येक कॉल की एक सूचना 30 दिनों के पश्चात् ही भेजी जायेगी बशर्ते कि इस तरह के कॉल के भुगतान हेतु समय के पूर्व बोर्ड शेयरधारकों को लिखित आधार पर सूचना देते हुए इसे वापस न कर ले ।
25. कॉल के भुगतान हेतु समय का विस्तार
- बोर्ड समय-समय पर अपने विवेक के आधार पर आवास की दूरी या कुछ अन्य महत्वपूर्ण कारणों से किसी शेयरधारकों या किसी कॉल से सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर भुगतान हेतु निर्धारित समय का विस्तार कर सकती है, परन्तु कोई शेयरधारक इस विस्तार को प्राप्त अधिकार के रूप में प्रयोग के लिए हकदार नहीं होगा ।

26. संयुक्त धारकों का दायित्व
किसी शेयर का संयुक्त धारक संयुक्त रूप में एवं अनेकों रूप में सभी कॉलों के भुगतान के लिए उत्तरदायी होगा ।
27. कॉल के रूप में निर्धारित समय पर या किस्तों में देय राशि
यदि किसी शेयर को जारी करने की शर्तें या अन्य कारणों से कोई राशि किसी निर्धारित समय या निर्धारित समय पर किस्तों में देय हो तो, प्रत्येक उस तरह की राशि या किस्त/देय होगी मानो यह कॉल विधिवत्, बोर्ड द्वारा की गई हो एवं जिसकी सूचना दी गई हो एवं कॉल के संबंध में उल्लिखित सभी प्राविधान उस राशि या किस्त से तदनुसार संबंधित होगा ।
28. जब कॉल पर ब्याज या किस्त देय होगा
यदि किसी कॉल या किस्त से संबंधित देय राशि भुगतान हेतु निर्धारित तिथि के पूर्व या समय पर भुगतान नहीं की जाती है, कुछ समय के लिए धारक या शेयर का आबंटीती, जिसके संबंध में कॉल की जायेगी या किस्त बकाया होगा, समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित वास्तविक भुगतान के समय भुगतान हेतु निर्धारित दिन पर इस तरह के दर पर राशि पर ब्याज अदा करना होगा । बोर्ड को इस तरह के ब्याज को पूरी तरह या आंशिक रूप से भुगतान से छूट देने का विवेकाधिकार प्राप्त है ।
29. शेयरधारकों द्वारा कॉल का गैर-भुगतान
कोई भी शेयरधारक जब तक कुछ समय के लिए देय एवं प्रत्येक शेयर, जिसका वह धारक है, पर देय सभी कॉल का भुगतान नहीं करता है, चाहे वह एकल या संयुक्त या किसी व्यक्ति के साथ है, भारित या उगाहे गए, जैसी भी स्थिति हो, वह कोई लाभांश प्राप्त करने का या शेयरधारक के किसी अधिकार के प्रयोग करने का हकदार नहीं होगा ।
30. कॉल या किस्त के गैर भुगतान पर सूचना
यदि कोई शेयरधारक अदायगी के निर्धारित तिथि पर या उसके पूर्व या तो मूल या ब्याज से संबंधित किसी कॉल या किस्त या कोई बकाया राशि का पूर्ण या आंशिक भुगतान में चूक करता है, बैंक उसके पश्चात उसी अवधि के दौरान कॉल या किस्त इस तरह की अवधि के दौरान या कोई अंश या अन्य राशि जो अदा नहीं की गई या एक निर्णय या डिक्री पूर्ण या आंशिक रूप में, जो असंतुष्ट रहता है, इस तरह के शेयरधारक को सूचना दी जायेगी या प्रेषण द्वारा शेयर हेतु हकदार किसी व्यक्ति (यदि कोई हो), उन्हें इस तरह के कॉल या किस्त या उस तरह के अंश या अन्य राशि ब्याज के साथ, जो एकसाथ अदत्त रह जाता है, जो प्रोद्भूत है एवं सभी व्यय (कानूनी या अन्य कारणों से), जो इस तरह के गैर भुगतान के कारणों से बैंक द्वारा व्यय किया गया या अदा किया गया है, उसका भुगतान करना होगा ।
31. जब्ती की सूचना
जब्ती की सूचना में एक तिथि उल्लिखित होगा, जो सूचना की तिथि से 14 दिनों से कम नहीं होगी एवं स्थान या स्थानों एवं उस तरह के कॉल या किस्त या इस तरह के अंश या अन्य राशियां एवं इस तरह के ब्याज एवं व्यय उपरोक्त, जो अदा की जानी है । सूचना में यह भी उल्लिखित होगा कि समय पर या उसके पूर्व गैर अदायगी की स्थिति में एवं निर्धारित जगह पर, वैसे शेयरों के मामले में, जिसमें कॉल किया गया या ब्याज देय है, जब्ती के लिए जिम्मेवार होगा ।
32. चूक पर जब्ती होने वाले शेयर
यदि इस तरह की सूचना यानि उपरोक्त वर्णित, अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं किया जाता है, कोई भी शेयर जिसके संबंध में सूचना जारी की गई है, किसी भी समय उसके पश्चात सभी कॉलों या किस्तों, ब्याज एवं व्ययों या उसके संबंध में बकाया राशि के गैर भुगतान हेतु बोर्ड के संकल्प के माध्यम से जब्त कर ली जायेगी । यह विनियमन 31 के अंतर्गत जब्ती की सूचना की अवधि के समाप्ति के पश्चात होनेवाली आगामी बैठक में प्रभावी होगा । इस तरह की जब्ती में जब्ती शेयरों से संबंधित एवं जब्ती के पूर्व नहीं अदा किए गए सभी घोषित लाभांश शामिल होंगे ।

33. बही में जब्ती की प्रविष्टि

जब विनियमन 32 के अंतर्गत किसी शेयर की जब्ती की जाती है, तारीख के साथ जब्ती की प्रविष्टि बही में की जायेगी ।

34. जब्त किया गया शेयर बैंक की संपत्ति है और इसे बेचा जा सकता है ।

कोई शेयर, जो जब्त किया जाता है, वह बैंक की संपत्ति मानी जायेगी एवं उसे बोर्ड के निर्णयानुसार बेची जा सकती है, पुर्न आबंटन किया जा सकता है या किसी रूप से उस तरह की शर्तों पर किसी व्यक्ति को निष्पादित किया जा सकता है ।

35. जब्ती रद्द करने की शक्तियाँ

बोर्ड किसी समय विनियम 32 के अंतर्गत किसी शेयर की जब्ती के पूर्व जो बिक्री कर दिया गया है, पुर्न आबंटन किया गया है या अन्य ढंग से जिसका निष्पादन किया गया है, यदि आवश्यक समझती है, इस तरह कि परिस्थितियों में जब्ती रद्द कर सकती है ।

36. जब्ती एवं ब्याज के समय पर देय राशि के भुगतान हेतु उत्तरदायी शेयरधारक

कोई शेयरधारक, जिसके शेयर की जब्ती हो गई है जब्ती के रहते हुए भी भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है एवं तुरंत बैंक को सभी कॉलों, किस्त, ब्याज, व्ययों एवं देनदारी की अन्य राशि या जब्ती के समय से बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट इस तरह के दर पर भुगतान नहीं किया जाता है, उसका भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा एवं बोर्ड पूर्ण या उसके अंश को भुगतान करने के लिए बाध्य कर सकता है ।

37. जब्ती प्रतिबाधित नहीं करने हेतु आंशिक भुगतान

कॉलों के लिए बैंक के हित में न कोई निर्णय या न डिक्री या किसी शेयर से संबंधित अन्य देय राशि न ही कोई भुगतान या उससे संबंधित संतुष्टि न ही किसी राशि के किसी अंश से संबंधित बैंक द्वारा जारी रखी जाए, जो किसी शेयरधारक के पास बकाया होगा, या तो मूलधन या ब्याज के माध्यम से, किसी राशि के भुगतान के संबंध में बैंक द्वारा मंजूर किया गया कोई प्रयास इन विनियमों के अंतर्गत इस तरह के शेयरों की जब्ती प्रतिबाधित करेगा ।

38. बैंक के विरुद्ध सभी दावों को समाप्त करते हुए शेयर की जब्ती

एक शेयर की जब्ती में जब्ती के समय विलोपन शामिल होगा, जिसमें शेयर के मामले में सभी ब्याज एवं सभी दावे एवं बैंक के विरुद्ध मांगें एवं शेयर के सभी अन्य आनुषंगिक अधिकार, केवल उन अधिकारों के अतिरिक्त, जिसमें छूट अभि-प्रेरित है ।

39. मूल शेयर बिक्री पर अकृत और शून्य, जब्ती होने पर पुनः जारी

करना, पुर्न आबंटन या निपटान

संबंधित शेयरों के संबंध में मूलरूप से जारी किए गए प्रमाण पत्रों के मामले में पूर्ववर्ती विनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत अन्य निपटान या पुर्न आबंटन, पुनः जारी करना, किसी बिक्री पर निरस्त समझा जायेगा (जबतक कि वह बैंक के मांग पर चूककर्ता सदस्य द्वारा पूर्व में अध्यर्पित नहीं किया गया हो) एवं अकृत तथा शून्य तथा अप्रभावी होगा । बोर्ड को उक्त शेयरों के मामले में वाजिब व्यक्ति या व्यक्तियों को एक नया शेयर या शेयरों को जारी करने का अधिकार प्राप्त होगा ।

40. जब्ती प्रावधानों का आवेदन

जब्ती से संबंधित इन विनियमों का प्रावधान किसी शेयर के जारी किए जाने वाले शर्तों के अनुसार निर्धारित समय पर देय होने वाले, वैसे मामलों में किसी राशि के गैर अदायगी पर लागू होगा। चाहे वह शेयरों के सामान्य मूल्य के मामले हों या किस्त के, मानों वह विधिवत कॉल के माध्यम से देय था।

41. शेयरों पर धारणाधिकार

- (i) बैंक को प्रथम एवं सर्वोच्च धारणाधिकार प्राप्त होगा
- (क) प्रत्येक शेयर पर (पूर्ण प्रदत्त शेयर नहीं होने की स्थिति में) उस शेयर के संबंध में सभी कॉल राशियों या निर्धारित समय पर देय
- (ख) सभी शेयरों पर (पूर्ण प्रदत्त शेयर नहीं होने की स्थिति में) एकल व्यक्ति के नाम में पंजीकृत सभी राशियों के लिए उनके या उनके संपदा द्वारा वर्तमान में देय।
- (ग) प्रत्येक व्यक्तियों के नाम में पंजीकृत सभी शेयरों पर (चाहे अन्यों के साथ एकल या संयुक्त हों) एवं उनके बिक्री के आय पर बैंक के साथ या किसी अन्य व्यक्ति के साथ एकल या संयुक्त रूप से उनके ऋणों, देयताओं एवं नियुक्तियों के लिए चाहे भुगतान हेतु अवधि, पूर्ति या संगमन वास्तविक रूप से होगा या नहीं एवं किसी शेयर में कोई साम्यिक व्याज का इसके धारणाधिकार पर बैंक द्वारा इसकी पहचान की जायेगी। बशर्ते कि निदेशक मंडल इस खण्ड के प्रावधानों से भाग में यां पूर्ण रूप से किसी समय घोषित कर सकता है।
- (ii) बैंक का धारणाधिकार, यदि किसी शेयर पर हो, उस पर देय सभी लाभांशों का भुगतान करेगा।

42. शेयरों के बिक्री द्वारा धारणाधिकार लागू करना

- (i) बैंक कोई शेयर, जिस पर कंपनी का धारणाधिकार है, बोर्ड अपने तरीके से, जो उचित समझती है, उसकी बिक्री कर सकता है।
- (क) यदि कोई राशि, जिसके संबंध में धारणाधिकार अस्तित्व में है, वर्तमान में देय है एवं
- (ख) जिसके संबंध में धारणाधिकार अस्तित्व में है, जो वर्तमान में देय है, शेयर को कुछ समय के लिए पंजीकृत धारक को दिया गया है या उनके मृत्यु या दिवालियापन के कारण वाजिब व्यक्ति को दिया गया है, उसके संबंध में लिखित रूप में एवं राशि के उस भाग के भुगतान की मांग करते हुए सूचना के बाद चौदह दिनों की समाप्ति के पश्चात।

- (ii) ऐसे किसी भी विक्रय को प्रभावी बनाने के लिए बोर्ड किसी अधिकारी को यह प्राधिकार दे सकता है कि उसके खरीदार को वह उन शेयरों का हस्तांतरण कर सके।

43. शेयरों की बिक्री से हुई प्राप्ति का उपयोजन

यदि विक्रय किए जा रहे शेयरों को किसी ऋण प्राप्ति के लिए धारणाधिकार के तहत रखा गया हो तो विनियम 42 के तहत, शेयरों की बिक्री से हुई निवल प्राप्ति में से विक्रय लागत को घटा लिए जाने के बाद शेष बची निवल प्राप्ति को उस ऋण की चुकौती के बतौर व्यवहार कर लिया जाएगा और इसके बाद भी यदि कोई राशि बची रहती है तो उसे शेयर धारक को अथवा जिस व्यक्ति के नाम विक्रय किया गया शेयर हस्तांतरित किया गया हो, उसके नाम कर दिया जाएगा।

44. जब्ती का प्रमाण- पत्र

किसी भी निदेशक या कम्पनी सेक्रेटरी या उनकी ओर से वेतनमान II या उससे ऊपर के किसी प्राधिकृत किसी भी निदेशक या कम्पनी सेक्रेटरी या उनकी ओर से वेतनमान II या उससे ऊपर के किसी प्राधिकृत अधिकारी का लिखित एवं हस्ताक्षरित इस अशय को प्रमाण-पत्र - कि किसी शेयर के संबंध में जब्ती का निर्णय इस काम के लिए बनाए गए बोर्ड के संकल्प के अनुसार है, इस तथ्य का निर्णायक साक्ष्य होगा और शेयरों के ऐसे सभी हकदारों पर लागू होगा जिनका उल्लेख उस प्रमाण-पत्र में किया गया होगा।

45. जब्त शेयर के क्रेता और आवंटिती का उस पर स्वामित्व :

यह बैंक किसी शेयर की बिक्री, पुनः आवंटन अथवा किसी अन्य प्रकार से निपटान करके मिलनेवाले प्रतिफल को प्राप्त कर सकता है तथा ऐसे किसी व्यक्ति को, जिसे यह शेयर बेचा, पुनः आवंटित किया गया अथवा निपटाया गया हो - शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है और यदि कोई प्रतिफल हो - उसके उपयोग का ध्यान रखने के लिए बाध्य नहीं होगा। शेयर की जब्ती, बिक्री, पुनः आवंटन अथवा अन्य प्रकार से निपटान संबंधी कार्रवाईयों में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा अविधिमान्यता से शेयर पर उसका स्वामित्व प्रभावित नहीं होगा तथा बिक्री के कारण किसी व्यक्ति को होनेवाले नुकसान के लिए हर्जाना केवल तथा अनन्य रूप से युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के प्रति होगा।

46. नोटिस या दस्तावेज तामील करना।

- (i) बैंक किसी शेयरधारक को कोई नोटिस या दस्तावेज जारी कर सकता है। यह नोटिस या दस्तावेज व्यक्तिगत तौर पर या पंजीकृत पते पर साधारण डाक से भेजा जा सकता है। यदि उस शेयर धारक का भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं है तो यह नोटिस या प्रलेख उस पते पर भेजा जाएगा जो भारत में है और जिसका उल्लेख उसने नोटिस देने के लिए बैंक के पास जमा प्रलेखों में दे रखा है।

(ii) जब कोई दस्तावेज या नोटिस डाक द्वारा भेजा जाएगा तो यह समझा जाएगा कि उस दस्तावेज या नोटिस में उपयुक्त पता दे देने और उस पत्र के लिए किए गए पूर्व भुगतान और उसे डाक में डालने से ही उसकी तामील हो गई ।

बशर्ते, उस शेयर धारक ने बैंक को पहले ही सूचना दे दी हो कि उसके नाम भेजे जानेवाले दस्तावेज डाक-प्रमाण - पत्र के तहत, पावती रहित या पावती सहित पंजीकृत डाक से या वाहक सेवा के जरिए या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजे जाएं और इस काम के लिए उसने बैंक के पास पर्याप्त राशि रख छोड़ी हो । शेयर धारक ने अपने नाम दस्तावेज या नोटिस भेजने के लिए जिस माध्यम का उल्लेख किया है, उसी माध्यम से उसे भेजने पर वह दस्तावेज या नोटिस प्रभावी समझा जाएगा । किसी बैठक की सूचना के मामले में ऐसी सेवा इस सूचना से संबंधित पत्र को डाक में डालने के 48 घंटे बाद प्रभावी समझी जाएगी । किसी अन्य मामले में यह सामान्य डाक के मार्फत सुपुर्दगी हो जाने के समय या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सुपुर्दगी कर दिए जाने (मामले के अनुरूप) के बाद प्रभावी समझी जाएगी ।

(iii) जिस शेयर धारक का भारत में कोई पंजीकृत पता नहीं होगा या उसने बैंक के पास भारत में पंजीकृत अपना कोई पता नहीं दिया होगा, उसके लिए और प्रत्येक शेयरधारक के लिए भारत में व्यापक रूप से प्रकाशित किसी एक समाचार - पत्र में इस आशय का दिया गया विज्ञापन ही उस शेयर धारक को दिया गया नोटिस या दस्तावेज समझा जाएगा और यह उसी तारीख को दिया गया समझा जाएगा जिस तारीख के समाचार - पत्र में यह छपा होगा ।

(iv) शेयरों के धारक संयुक्त रूप से यदि एक से अधिक व्यक्ति हैं तो रजिस्टर में दर्ज प्रथम नाम वाले शेयरधारक को, बैंक द्वारा दिया गया नोटिस या दस्तावेज ही उन शेयरों के संबंध में सभी संयुक्त धारकों को पर्याप्त स्तर पर दिया गया नोटिस समझा जाएगा ।

(V) किसी शेयरधारक की मृत्यु हो जाने पर या उसके दिवालिया हो जाने पर उसके हकदार के नाम या मृतक शेयरधारक के प्रतिनिधि के नाम या दिवालिया घोषित शेयरधारक के नामित व्यक्ति के संबंध में बैंक हक के दावेदार शेयरधारक द्वारा भारत में किसी स्थान के उल्लिखित पते पर पूर्व - प्रदत्त डाक खर्च पत्र के मार्फत कोई नोटिस या दस्तावेज भेज सकता है या उस किसी भी तरीके से उसे भेज सकता है जिस तरीके से वह इसे तब भेजता जब वह शेयरधारक जीवित होता या दिवालिया न हुआ होता ।

(vi) किसी भी नोटिस पर इस बैंक की ओर से किया गया हस्ताक्षर लिखित या छपा हुआ हो सकता है ।

अध्याय III

निक्षेपागार या खजाने में रखी बैंक की प्रतिभूतियाँ

47.

बैंक और निक्षेपागार में करार

बैंक द्वारा निर्गमित प्रतिभूति से संबंधित सेवाओं के उपयोग के लिए यह बैंक निक्षेपागार अधिनियम 1996 की धारा 2 (e) में उल्लिखित परिभाषा के अनुरूप एक या एक से अधिक निक्षेपागार के साथ करार कर सकता है ।

अध्याय IV

शेयरधारकों की बैठक

48.

सालाना साधारण बैठक के आयोजन की सूचना

- (i) शेयरधारकों की सालाना साधारण बैठक के आयोजन की सूचना इस बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक अथवा स्केल VI या इससे ऊपर के किसी अधिकारी या कम्पनी सेक्रेटरी के हस्ताक्षर से जारी की जाएगी और यह सूचना भारत में व्यापक रूप से परिचालित कम से कम दो दैनिक समाचार पत्रों में बैठक की तारीख से स्पष्टतः कम से कम 21 दिन पहले दी जाएगी ।
- (II) ऐसी सभी सूचना में इस बैठक का समय , उसकी तारीख और उसके स्थान तथा उसमें चर्चा किए जानेवाले विषयों का उल्लेख किया जाएगा ।
- (III) इस बैठक का समय और इसकी तारीख बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट समय और तारीख ही होगी और यह उसी जगह होगी जिस जगह बैंक का प्रधान कार्यालय होगा ।

49.

असाधारण साधारण बैठक

- (i) यदि बोर्ड निर्दश दे अथवा केन्द्र सरकार माँग करें या अन्य किसी ऐसे शेयरधारक की माँग हो जिसके पास सभी शेयरधारकों के कुल मताधिकार का कुल 10% से कम शेयर न हो तो इस बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा इनकी अनुपस्थिति में बैंक का कोई एक निदेशक शेयरधारकों की असाधारण बैठक बुला सकता है ।
- (ii) ऐसी असाधारण बैठक जिसका उल्लेख उपर विनियम (i) में किया गया है - की माँग करते समय इसके बुलाए जाने के प्रयोजन का उल्लेख करना होगा किन्तु उसके साथ वैसे कई दस्तावेज हो सकते हैं और प्रत्येक पर बैठक की माँग करनेवालों के एक या एक से अधिक हस्ताक्षर हो सकते हैं ।
- (iii) जहाँ किन्हीं शेयरों के दो या दो से अधिक संयुक्तधारक हैं तो ऐसी किसी बैठक के बुलाए जाने की माँग या बैठक बुलाए जाने की सूचना पर उनमें से किसी एक का हस्ताक्षर ही इस विनियम के प्रयोजनार्थ समान रूप से प्रभावी समझा जाएगा और समझा जाएगा कि उस पर सबों के हस्ताक्षर हैं ।
- (iv) ऐसी किसी भी असाधारण साधारण बैठक के समय, उसकी तारीख और बैठक के स्थान का निर्णय बोर्ड करेगा, बशर्ते केन्द्रीय सरकार की माँग पर या अन्य शेयरधारकों की माँग पर बुलाई गई बैठक, इसकी माँग की सूचना मिलने के 45 दिन के भीतर गई हो ।
- (v) यदि उप विनियम (i) के तहत की गई माँग के अनुरूप उप विनियम (iv) की शर्तों के अधीन निर्धारित समय सीमा के भीतर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक जैसी

भी मामला हो) बैठक नहीं बुलाते तो ऐसी बैठक की माँग करनेवाले इस माँग की तारीख से तीन माह के भीतर स्वयं ऐसी बैठक बुला सकते हैं ।

बशर्ते इस उप नियम में ऐसा कुछ भी न समझा जाए कि तीन महीने की उपरोक्त निर्धारित तारीख की समाप्ति के पहले विधिवत् बुलाई गई बैठक स्थगित करके, उसे निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद किसी दिन बुलाई जाए ।

(vi) उप विनियम (v) के तहत ऐसी बैठक की माँग करनेवालों द्वारा यह बैठक यथासंभव उसी तरीके से बुलाई जाएगी जिस तरीके से बोर्ड अन्य सामान्य बैठक बुलाता है ।

50.

सामान्य बैठक में कोरम

(I) शेयर धारकों की बैठक में तब तक कोई कार्यवाही नहीं चल सकती जब तक बैठक की कार्यवाही शुरू होने के समय उसमें कम से कम पाँच ऐसे शेयरधारक स्वयं उपस्थित न हों जिन्हें मत देने का हक है ।

(II) केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसी बैठक की माँग को छोड़कर, अन्य शेयरधारकों द्वारा बैठक की माँग के फलस्वरूप बुलाई गई बैठक में यदि इस बैठक के निर्दिष्ट समय से आधे घंटे के भीतर वांछित कोरम के हिसाब से शेयर धारक उपस्थित नहीं होंगे तो उस बैठक को भंग समझा जाएगा ।

(III) किसी मामले में यदि बैठक के लिए निर्दिष्ट समय से आधे घंटे के भीतर वांछित कोरम के हिसाब से शेयरधारक उपस्थित नहीं होंगे तो वह बैठक उस दिन के लिए स्थगित समझी जाएगी और परवर्ती सप्ताह में उसी तिथि को, उसी समय और स्थान पर या अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा तय की गई तिथि, समय और स्थान पर आयोजित की जाएगी । यदि ऐसी स्थगित बैठक में भी निर्दिष्ट समय से आधे घंटे के भीतर कोरम के हिसाब से शेयरधारक के उपस्थित नहीं होंगे तो जो शेयरधारक वहाँ उपस्थित होंगे या उनके बदले कोई और उपस्थित होगा या शेयरधारक के प्राधिकृत प्रतिनिधि की हैसियत से उपस्थित होगा तो उन्हें ही कोरम पूरा हो गया मान कर बैठक की कार्यवाही उस विषय पर चलायी जाएगी जिस पर चर्चा के लिए वह बैठक बुलाई गई है ।

बशर्ते, कोई भी सालाना साधारण बैठक स्थगित करके उस तारीख के बाद नहीं की जाएगी जिसके भीतर इस अधिनियम की धारा 10 A (1) के तहत ऐसी सालाना साधारण बैठक की जानी होगी और यदि ऐसी स्थगित बैठक परवर्ती सप्ताह की उसी तिथि को होनी होगी तो सालाना साधारण बैठक को स्थगित नहीं किया जाएगा बल्कि यदि कोरम पूरा होता है तो इसके लिए निर्दिष्ट समय के एक घंटे के भीतर या एक घंटा की अवधि समाप्त होने के तत्काल बाद इस बैठक की कार्यसूची पर चर्चा कर ली जाएगी और जो शेयरधारक स्वयं उपस्थित होंगे या उनकी जगह उनकी ओर से जो शेयरधारक उपस्थित होंगे या शेयरधारक द्वारा विधिवत् प्राधिकृत जो प्रतिनिधि होंगे उनको कोरम के गठन हेतु शामिल कर लिया जाएगा ।

51.

साधारण बैठक के अध्यक्ष

(I) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा इनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक की अनुपस्थिति में कोई एक निदेशक - जिसे सामान्यतः या किसी विशेष बैठक के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्राधिकृत करते हों - साधारण बैठक के अध्यक्ष होंगे । यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या कार्यपालक निदेशक या इनकी ओर से प्राधिकृत कोई निदेशक ऐसी बैठक में उपस्थित नहीं रहता तो उस बैठक में उपस्थित शेयरधारक उपस्थित किसी अन्य निदेशक को उस बैठक के लिए अध्यक्ष के रूप में चुन सकेंगे ।

(II) साधारण बैठक का अध्यक्ष साधारण बैठक की कार्यवाही का नियमन/नियंत्रण करेगा । विशेषकर उसे शेयरधारकों को क्रमवार बैठक को संबोधित करने, उनके बोलने की समय सीमा तय करने और उसे यदि यह महसूस होता है कि जिस मुद्दे पर शेयरधारक बोल रहा है उस पर पहले भी पर्याप्त चर्चा हो चुकी है तो उसे अपना वक्तव्य समाप्त करने और बैठक समाप्त घोषित करने का अधिकार होगा ।

52.

साधारण बैठक में अंशग्रहण करने के हकदार

(I) उप विनियम (II) के प्रावधानों के अधीन सभी निदेशक और शेयरधारक साधारण बैठक में अंशग्रहण करने के हकदार हैं ।

(II) साधारण बैठक में शामिल होने जा रहे किसी भी शेयरधारक को (केन्द्रीय सरकार नहीं) या किसी निदेशक को अपनी पहचान और अपने मताधिकार के निर्धारण के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा निर्दिष्ट एक फॉर्म भरकर और उस पर अपना हस्ताक्षर करके दे देना होगा जिसमें निम्न विवरण देने होंगे :

(क) अपना पूरा नाम और पंजीकृत पता,

(ख) अपने शेयरों की विशिष्ट संख्या

(ग) क्या वह मत (वोट) देने का हकदार है और यदि है तो कितने वोट देने का हक उसे खुद का है अथवा किसी शेयरधारक के बदले या विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में है ।

53.

साधारण बैठक में मतदान (वोटिंग)

(I) किसी भी साधारण बैठक में जबतक किसी संकल्प पर मतदान की माँग नहीं की जाती तब तक मतदान हाथ उठाकर किया जाएगा ।

(II) अधिनियम के तहत किए अन्यथा प्रावधानों को छोड़कर साधारण बैठक में लाए गए किसी भी मुद्दे पर कोई भी निर्णय बहुमत के आधार पर होगा ।

(III) जब तक उप विनियम (I) के तहत मतदान की माँग नहीं की जाती तब तक बैठक के अध्यक्ष द्वारा यह घोषणा और बैठक की कार्यवाही - पंजी में इसे कार्यवृत्त के रूप में लिख लिया जाना ही इस तथ्य का पर्याप्त साक्ष्य होगा कि सर्व सम्मति द्वारा अथवा एक विशेष बहुसंख्यक समूह द्वारा हाथ उठाकर लिए गए संकल्प पर कार्रवाई की गई या नहीं की गई और ऐसे संकल्प के पक्ष या विपक्ष में कितने वोट पडे - इसके प्रमाण की जरूरत नहीं होगी ।

(IV) किसी संकल्प पर हाथ उठाकर किए गए मतदान के परिणाम की घोषणा से पहले या परिणाम था ।

घोषणा कर दिए जाने पर बैठक के अध्यक्ष द्वारा अपने ही प्रावेदन पर मतदान कराए जाने का आदेश दिया जाएगा और ऐसा मतदान कराने की माँग बैठक में मौजूद किसी भी शेयरधारक या शेयरधारकों की ओर से या उसके/उनके बदले उस बैठक में उपस्थिति व्यक्ति जिनके पास इस बैंक के इतने शेयर हों (कुल मताधिकार के पाँचवें भाग से कम नहीं) जिससे उन्हें उस प्रस्ताव पर मतदान का हक हासिल हो - की ओर से की जाएगी।

(V) मतदान की माँग कर रहा व्यक्ति या व्यक्तिसमूह किसी भी वक्त अपनी इस माँग को वापस ले सकता है।

(VI) बैठक के स्थगन के प्रश्न पर या बैठक के अध्यक्ष के चुनाव के प्रश्न पर मतदान की माँग को उसी समय और तत्काल पूरा जाएगा।

(VII) किसी अन्य विषय पर मतदान की माँग को बैठक के अध्यक्ष के निर्देशानुसार इस माँग के 48 घंटे के भीतर पूरा किया जाएगा।

(VIII) मताधिकार का प्रयोग करने की अर्हता के संबंध में और मतदान के मामले में - कि कौन व्यक्ति कितना मत देने के लिए सक्षम है, बैठक के अध्यक्ष का निर्णय ही निर्णायक होगा।

53

(क) मतदान के परिनिरीक्षक

(I) जब कोई मतदान होना होगा तब उस बैठक के अध्यक्ष, दिए गए मतों की जाँच के लिए दो परिनिरीक्षकों को नियुक्त करेंगे और वे परिनिरीक्षक इसकी रिपोर्ट उनको देंगे।

(II) उस बैठक के अध्यक्ष को यह अधिकार होगा कि मतदान के परिणाम की घोषणा से पहले किसी भी क्षण वे किसी परिनिरीक्षक को उस काम से हटा दें और हटाए गए परिनिरीक्षक के रिक्त स्थान को या किसी भी अन्य कारणवश रिक्त हुए उस स्थान को भर लें।

(III) इस विनियम के तहत नियुक्त किए गए दो परिनिरीक्षकों में से एक सदैव ही शेयरधारक होगा (बैंक का कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं) जो उस बैठक में उपस्थित रहेगा, बशर्ते वह शेयरधारक इस काम के लिए उपलब्ध होगा और परिनिरीक्षक नियुक्त किए जाने का इच्छुक होगा।

53.

(ख) मतदान कराने का तरीका और मतदान का परिणाम

(I) बैठक के अध्यक्ष को ही यह अधिकार होगा कि वे मतदान कराने के तरीके को विनियमित करें।

(II) जिस प्रस्ताव पर मतदान होगा, उस मतदान का परिणाम ही बैठक का निर्णय समझा जाएगा।

54.

साधारण बैठक का कार्यवृत्त

(1) यह बैंक बैठक की सभी कार्यवाहियों का कार्यवृत्त बनाएगा और कार्यवृत्त हेतु बनायी गई पुस्तिका में इसे रखेगा।

(ii) ऐसी किसी भी बैठक की कार्यवाही का कार्यवृत्त यदि उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित होगा अथवा परवर्ती बैठक के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित होगा - वही उस बैठक की कार्यवाही का सबूत होगा ।

(III) जब तक इसके विरुद्ध या अन्यथा प्रमाणित नहीं हो जाता - प्रत्येक साधारण बैठक, जिसके संबंध में वह कार्यवाही तैयार की गई है, उसके बारे में समझा जाएगा कि वह विधिवत् बुलाई गई है, आयोजित की गई है और कार्यवृत्त में दर्ज सभी कार्यवाहियाँ विधिवत् आयोजित बैठक की हैं ।

(IV) यदि कोई शेयरधारक लिखित रूप में यह माँग करता है कि वह किसी बैठक विशेष के कार्यवृत्त की जाँच करना चाहता है और इसके लिए वह उस कार्यवृत्त पंजी को देखना चाहता है अथवा वह उस कार्यवृत्त को एक प्रतिलिपि की माँग करता है तो वैकं इसकी अनुमति देगा अथवा यथानुरूप उस शेयरधारक को उस कार्यवृत्त की एक प्रतिलिपि देगा ।

अध्याय V

निदेशकों का चुनाव

55. निदेशकों का चुनाव साधारण बैठक में किया जाएगा ।

(I) इस अधिनियम की धारा 9, उप धारा (3) के खंड (I) के तहत, केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनित निदेशक के अतिरिक्त एक निदेशक साधारण बैठक के दौरान रजिस्टरों में दर्ज शेयरधारकों में से ही और उन्हीं शेयरधारकों द्वारा चुना जाएगा ।

(II) जब किसी साधारण बैठक में निदेशक का चुनाव होना होगा तो उस बैठक को आयोजन की सूचना में इस तथ्य की भी सूचना दी जाएगी कि इसमें निदेशक का चुनाव होना है । ऐसी सूचना में यह स्पष्ट किया गया होगा कि कितने निदेशकों का चुनाव किया जाएगा और जिन रिकियों के संबंध में चुनाव होना है - उसका भी विवरण दिया जाएगा ।

56. शेयरधारकों की सूची

(i) इन विनियमों के विनियम 55 के उप विनियम (i) के तहत निदेशक के चुनाव के प्रयोजनार्थ रजिस्टर में दर्ज वैसे शेयरधारकों की एक सूची बनायी जाएगी जो निदेशक को चुनेंगे ।

(ii) इस सूची में शेयरधारकों के नाम, उनके पंजीकृत पते, उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या तथा द्योतक संख्या, वह तारीख - जिस दिन शेयरों का पंजीकरण कराया गया हो, चुनाव के लिए निर्धारित तारीख को होनेवाली बैठक में उन्हें जितने मत देने का हक है, उनकी संख्या का उल्लेख रहेगा । इस सूची की प्रतियाँ बोर्ड अथवा प्रबंधन समिति द्वारा निर्धारित मूल्य पर, बैठक की निर्धारित तारीख से कम से कम तीन सप्ताह पहले विक्रय हेतु प्रधान कार्यालय में, आवेदन करने पर उपलब्ध रहेगी ।

57.

चुनाव हेतु उम्मीदवारों का नामांकन

- (i) निदेशक के रूप में चुने जाने के लिए किसी भी उम्मीदवार का नामांकन तभी वैध होगा जब (क) उसके पास युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया के कम से कम 100 शेयर हो ,
 (ख) नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तारीख को उसे उक्त अधिनियम अथवा उक्त योजना के तहत निदेशक बनने के योग्य घोषित किया गया हो ,
 (ग) उसने अपने पास एकल या संयुक्त रूप से रखे बैंक के शेयरों के संबंध में माँगी गई सभी राशिओं का भुगतान, इसके लिए निर्धारित अंतिम तारीख को अथवा इससे पहले कर दिया हो ,
 (घ) चुनाव के लिए उसका नामांकन लिखित रूप में हो और अधिनियम के तहत निदेशक का चुनाव करने के हकदार कम से कम सौ शेयरधारकों का उस पर हस्ताक्षर हो अथवा उनके द्वारा विधिवत नियुक्त अटर्नी द्वारा हस्ताक्षरित हो , बशर्ते , शेयरधारक यदि कोई कम्पनी है , तो उस कम्पनी के निदेशकों के संकल्प द्वारा उसका नामांकन किया गया हो और जिस बैठक में यह पारित किया गया हो उस बैठक के अध्यक्ष द्वारा सत्यापित प्रति के रूप में प्रमाणित संकल्प की प्रति युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रधान कार्यालय को भेजी गई हो और ऐसी प्रति को ही उस कम्पनी की ओर से किया गया नामांकन माना जाएगा ।
 (ड) ऐसे नामांकन के साथ किसी न्यायाधीश , मणिस्ट्रेट , आश्वासन रजिस्ट्रार अथवा उप रजिस्ट्रार अथवा अन्य राजपत्रित अधिकारी अथवा भारतीय रिजर्व बैंक अथवा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के अधिकारी के समक्ष इस आशय का हस्ताक्षरित घोषणा- पत्र दिया गया हो कि वह नामांकन को स्वीकार करता है और चुनाव में खड़े होने का इच्छुक है और उसे उक्त अधिनियम अथवा उक्त योजना अथवा इन विनियमों के तहत निदेशक बनने के अयोग्य नहीं ठहराया गया है ।
- (ii) कोई भी नामांकन तभी वैध होगा जब इसके साथ सभी तरह से पूर्ण सभी दस्तावेज लगे हों और बैठक की निर्धारित तारीख के कम से कम चौदह दिन पूर्व किसी कार्यदिवस को युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया के प्रधान कार्यालय में यह प्राप्त हो जाए ।

58.

नामांकनों की जांच

- (i) नामांकनों की जांच , नामांकन प्राप्ति की निर्धारित तारीख के परवर्ती कार्यदिवस को की जाएगी और यदि कोई नामांकन वैध नहीं पाया जाता तो इसके कारणों का उल्लेख करने के बाद इसे नामंजूर कर दिया जाएगा ।
 चुनाव के द्वारा भरे जानेवाले किसी रिक्त पद के लिए यदि एक ही वैध नामांकन हो तो इस प्रकार नामांकित प्रत्याशी को चुना हुआ माना जाएगा और इस प्रकार चुने जाने पर उसका नाम और पता प्रकाशित किया जाएगा । इस स्थिति में इस प्रयोजन हेतु आयोजित बैठक में कोई चुनाव नहीं किया जाएगा और यदि बैठक मात्र उक्त चुनाव के प्रयोजनार्थ बुलाई गई हो तो उसे रद्द माना जाएगा ।
- (ii) चुनाव होने की स्थिति में , यदि वैध नामांकनों की संख्या चुने जानेवाले निदेशकों की संख्या से अधिक हो तो बहुमत पानेवाले उम्मीदवार को चुना हुआ माना जाएगा ।
- (iii) किसी मौजूदा रिक्ति को भरने हेतु चुना गया निदेशक , जिस दिन उसे चुना गया है अथवा चुना हुआ माना गया है - उसके अगले दिन अपना कार्यग्रहण करेगा ।

59.

निर्वाचन विवाद

(i) यदि एक व्यक्ति की योग्यता अथवा अयोग्यता, अथवा निर्वाचित घोषित किया गया हो, अथवा निदेशक के निर्वाचन की वैधता को लेकर कोई संदेह अथवा विवाद उत्पन्न हो, कोई इच्छुक व्यक्ति जो ऐसे निर्वाचन के लिए मतदान करने हेतु उम्मीदवार या शेयरधारक के रूप में हकदार हो ऐसे निर्वाचन के परिणाम की घोषणा के सात दिनों के भीतर बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को इसके बारे में लिखित रूप से सूचित करेंगे तथा उक्त सूचना के अंतर्गत उनके संदेह का अथवा निर्वाचन की वैधता के विवाद के आधार का पूर्ण विवरण देंगे ।

(ii) उप-विनियम (i) के अंतर्गत सूचना प्राप्त होने पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा उनकी अनुपस्थिति में बैंक के कार्यपालक निदेशक ऐसे संदेह अथवा विवाद को अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (ख) एवं (ग) के अंतर्गत गठित समिति जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और नामित निदेशकों में से कोई दो होंगे, के सम्मुख भेजेंगे ।

(iii) उप-विनियम (ii) में उल्लिखित समिति इसकी जाँच करेगी और यदि यह पाती है कि निर्वाचन वैध है तो निर्वाचन के परिणाम की पुष्टि करेगी अथवा यदि यह पाती है कि निर्वाचन वैध है तो निर्वाचन के परिणाम की पुष्टि करेगी अथवा यदि यह पाती है कि निर्वाचन वैध नहीं है तो जाँच पूरी होने के 30 दिनों के भीतर समिति को जैसा उचित प्रतीत होगा एक नए निर्वाचन करने सहित इस आशय का आदेश अथवा निदेश जारी करेगी ।

(iv) इस विनियम के अनुसरण में ऐसी समिति का आदेश एवं निदेश निर्णायक माना जाएगा ।

अध्याय VI

शेयरधारकों का मताधिकार

60.

मताधिकार का निर्धारण

(i) अधिनियम की धारा 3 (2ड) में निहित प्रावधानों की अंतर्गत प्रत्येक शेयरधारक साधारण बैठक की तिथि से पूर्व रजिस्टर बंद होने की तिथि से जो एक शेयरधारक के रूप में पंजीकृत हो चुका है, ऐसी बैठकों में हाथ दिखा कर एक मत प्रदान करने तथा मतदान होने पर उसके द्वारा धारित प्रति शेयर एक मत होगा ।

(ii) अधिनियम की धारा 3 (2ड) में निहित प्रावधानों के अंतर्गत एक कंपनी न होकर भी प्रत्येक शेयरधारक उपरोक्त के अनुसार मत देने का हकदार होगा जो व्यक्तिशः उपस्थित रह कर अथवा प्रतिनिधि द्वारा अथवा एक कंपनी के रूप में एक प्रतिनिधि द्वारा विधिवत प्राधिकृत अथवा प्रतिनिधि के मार्फत हाथ दिखाकर एक मतदान प्रदान करेगा । अथवा उप-विनियम (i) में वर्णित उपरोक्त के अनुसार उसके द्वारा धारित प्रतिशेयर के लिए मतदान के मामले में एक मतदान होगा ।
व्याख्या - इस अध्याय के लिए “कंपनी” का अर्थ कोई भी कंपनी निकाय है ।

(iii) बैंक के शेयरधारक एक साधारण बैठक में उपस्थित होने तथा मतदान करने का हकदार होंगे जो अपने स्थान पर दूसरे व्यक्ति को (चाहे वह शेयरधारक हो अथवा नहीं) प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित होने एवं मतदान करने के लिए नियुक्त करने का हकदार होंगे किन्तु एक नियुक्त किए गए प्रतिनिधि को बैठक में बोलने का अधिकार नहीं होगा ।

61.

विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान

(i) एक शेयरधारक, केन्द्रीय सरकार या एक कंपनी होने के नाते एक संकल्प पारित करके, जैसा भी मामला हो, अपने किसी भी अधिकारी को अथवा किसी अन्य व्यक्ति को शेयरधारकों की किसी भी साधारण बैठक में प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने हेतु प्राधिकृत कर सकते हैं तथा ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति (इन विनियमों में विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में माने गए) को केन्द्रीय सरकार अथवा कंपनी जिसका वह प्रतिनिधि होंगे के माध्यम से समान अधिकार निष्पादित करने का हकदार होंगे ठीक उसी प्रकार जैसे कि वे बैंक के एक वैयक्तिक शेयरधारक होंगे । ऐसे प्राधिकरण वैकल्पिक रूप से दो व्यक्ति को दिए जाएँगे और ऐसे मामले में इनमें से कोई एक व्यक्ति केन्द्रीय सरकार/कंपनी के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करेंगे ।

(ii) बैंक के शेयरधारकों की किसी भी बैठक में कोई व्यक्ति कंपनी के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित अथवा मतदान नहीं कर सकेगा बशर्ते कि बैठक की निर्धारित तिथि से कम से कम चार दिन पहले बैंक के प्रधान कार्यालय में उनकों प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किए जाने संबंधी संकल्प का प्रमाण पत्र उक्त बैठक के अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित एक सत्य प्रतिलिपि जमा किया गया हो ।

62.

प्रतिनिधित्व

(i) प्रतिनिधित्व का कोई भी लिखत वैध नहीं होगा बशर्ते कि एक वैयक्तिक शेयरधारक के मामले में यह उसके द्वारा हस्ताक्षरित हो अथवा उनके अटर्नी द्वारा लिखित रूप से विधिवत् प्राधिकृत किया गया हो अथवा संयुक्तधारकों के मामले में रजिस्टर में उल्लिखित प्रथम शेयरधारक द्वारा यह हस्ताक्षर किया गया हो अथवा उसके अटर्नी द्वारा विधिवत् लिखित रूप में प्राधिकृत किया गया हो अथवा कंपनी निकाय के मामले में इसके अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित हो या किसी अटर्नी द्वारा विधिवत् लिखित रूप में प्राधिकृत किया गया हो ।

बशर्ते कि प्रतिनिधित्व का एक लिखत किसी भी शेयरधारक द्वारा पर्याप्त रूप में हस्ताक्षर किया गया हो जो किसी कारणवश अपना नाम लिखने में असमर्थ हो, यदि उसका चिन्ह वहाँ चिपकाया गया हो तथा एक न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, प्रत्याभूति पंजीकार अथवा उप-पंजीकार या अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या बैंक के अधिकारी द्वारा साक्षात्कृत किया गया हो ।

(ii) कोई प्रतिनिधित्व वैध नहीं होगा जबतक कि यह विधिवत् मुहर लगाया गया न हो तथा उसकी एक प्रति बैठक की तिथि निर्धारित होने के चार दिन पूर्व बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा कर दिया गया हो जिसके साथ प्राधिकृत अटर्नी या अन्य प्राधिकारी (यदि कोई हो) जिसके अधीन यह हस्ताक्षरित किया

गया हो अथवा उस प्राधिकृतं अटर्नी की एक प्रति अथवा अन्य प्राधिकारी की एक नोटरी पब्लिक अथवा मजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि भी जमा किया गया हो बशर्ते कि ऐसा प्राधिकृत अटर्नी या अन्य प्राधिकारी का लिखत पहले जमा किया गया हो और बैंक के साथ पंजीकृत हो ।

(iii) प्रतिनिधित्व का कोई भी लिखत फार्म “ बी ” में नहीं होने से वैध नहीं माना जाएगा ।

(iv) बैंक के साथ जमा किया गया प्रतिनिधित्व लिखत अविकल्पी एवं अतिम होगा ।

(v) प्रतिनिधित्व लिखत यदि दो गारंटियों के पक्ष में वैकल्पी रूप में स्वीकृत किया गया हो तो इस मामले में एक से अधिक फार्म निष्पादित नहीं होगा ।

(vi) इस विनियम के अंतर्गत प्रतिनिधित्व के लिखत का जमानती बेठक में मत देने का हकदार नहीं होगा जिससे कि लिखत संबंधित हो ।

(vii) कोई भी व्यक्ति विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि या प्राक्सी के रूप में नियुक्त नहीं होगा यदि वह बैंक का एक अधिकारी अथवा कर्मचारी हो ।

कृते युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
कंपनी सचिव

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

फार्म 'क'
शेयर अंतरण फार्म
(विनियमन 17 का उप- विनियम (i) देखें)

निम्नांकित के विचारार्थ नामोल्लिखित “अंतरणकर्ता (ओं)” एतद्वारा नामोल्लिखित “आंतरिती (यों)” को शेयर हस्तांतरित करता है जिसका विवरण निम्नांकित है। यह उन शर्तों के अध्यधीन है जिनपर कथित शेयर “अंतरणकर्ता (ओं)” द्वारा धारित है एवं उपर्युक्त शर्तों के अध्यधीन “आंतरिती” एतद्वारा कथित शेयर स्वीकार करने एवं धारित करने के लिए सहमत है।

कंपनी का पूरा नाममान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज, जहाँ लेनदेन किया गया, यदि होइक्विटी शेयर का विवरण

संख्या

अंकों में

शब्दों में

प्रतिफल की संख्या प्रतिफल

(शब्दों में)

(अंकों में)

विशिष्ट संख्या

से

तक

समवर्ती प्रमाण पत्र सं. अंतरणकर्ता {विक्रेता} पंजीकृत फोलियों सं. हस्ताक्षर विवरण

पूरा नाम	1. -----
	2. -----
	3. -----
	4. -----

1. -----
2. -----
3. -----
4. -----

अभिप्रमाणन
मैं निम्नांकित अंतरणकर्ता (ओं)
के हस्ताक्षर अभिप्रमाणित
करता हूँ
हस्ताक्षर
नाम
पता/मोहर

साक्षी के हस्ताक्षर
साक्षी का नाम एवं पता

पिन -----

अंतरणकर्ता पूरा नाम

{ क्रेता (ओं) विवरण

हस्ताक्षर

1. _____
2. _____
3. _____

1. _____
2. _____
3. _____

पेशा

पता

पिता/पति का नाम

1.

2.

3.

नामों के उसी क्रम में अंतरणकर्ता (ओं)
का वर्तमान फौलियों,
यदि हो, _____

लगाए गए
स्टैप का मूल्य रु. _____

दिनांक _____ दिन _____ दो हजार _____ स्थान _____

केवल कार्यालयी प्रयोग हेतु

जाँचकर्ता _____

हस्ताक्षर मिलानकर्ता

अंतरण बही में

प्रविष्टि सं. _____

अनुमोदन तिथि _____

(_____) (_____)

फोलियो कंपनी कोड

(_____) (_____)

हस्तांतरी/(ओं) के 1. _____

नमूना हस्ताक्षर 2. _____

3. _____

अभिप्राणन संबंधी अनुदेश :

जहाँ अपेक्षित हो, (अंगूठे का निशान, चिह्न, हस्ताक्षर भिन्नता इत्यादि का) अभिप्राणन किसी मजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक, अथवा स्पेशल एक्जक्यूटिव मजिस्ट्रेट, नोटरी पब्लिक अथवा स्पेशल एक्जक्यूटिव मजिस्ट्रेट अथवा समकक्ष प्राधिकारी द्वारा किया जाना चाहिए जो कोई पब्लिक ऑफिस धारक हो एवं अपने कार्यालय का सील व्यवहार करने के लिए प्राधिकृत हो अथवा मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज का सदस्य हो जिसके माध्यम से शेयर जारी होते हों अथवा अंतरणकर्ता के बैंक का प्रबंधक हो ।

नोट : - नामों के रबर स्टैम्प भरसक सीधी लाइन में लगे होने चाहिए तथा कालक्रम का पालन किया जाना चाहिए ।

समाशोधन सदस्य बैंक द्वारा सुपुर्दगी किए जाने पर ब्रोकर की समाशोधन संख्या का उल्लेख होना चाहिए ।

सुपुर्दगी करनेवाले ब्रोकर अथवा

दिनांक -----

समाशोधन सदस्य का/के नाम

मुख्तारनामा/प्रमाणित

इच्छापत्र (प्रोबेट)/

मृत्यु प्रमाण पत्र

प्रशासन के पत्र

कंपनी के साथ पंजीकृत

संख्या ----- दिनांक -----

ब्रोकर, बैंक, कंपनी अथवा

स्टॉक एक्सचेंज समाशोधन

गृह के हस्ताक्षर (अद्यक्षर नहीं)

दायरकर्ता -----
 पूरा पता -----

जिसको शेयर प्रमाण - पत्र लौटाया जाना है
 (नाम एवं पता लिखें जिसपर शेयर प्रमाणपत्र लौटाया जाना है)

नाम	एवं	पता

शेयर अंतरण स्टैम्प

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
 फॉर्म - ख
 प्रतिनिधि फॉर्म
 (विनियम 62 का उप विनियम [iii] देखें)

फोलियो

सं.....

(शेयर धारक इसे भरें)

मैं/हम.....
 जो.....
 जिला..... राज्य..... के निवासी हैं, युनाइटेड
 बैंक ऑफ इंडिया के शेयर धारक होने के नाते श्री.....
 श्रीमती..... निवासी.....
 जिला..... राज्य..... के अथवा इनकी
 अनुपस्थिति में श्री/श्रीमती.....
 निवासी..... जिला.....
 राज्य..... को दिनांक..... को आ स्थगित होने
 पर आयोजित होने वाली युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के शेयर धारकों की बैठक में मेरे प्रतिनिधि के रूप में
 मेरी ओर से वोट देने के लिए नियुक्त करता हूँ/करती हूँ/करते हैं/करती हैं।

तारिख..... को हस्ताक्षरित

नाम:

पता:

रसीदी टिकट
चिपकाएं

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

अहमदाबाद-३८००१४, दिनांक २ जुलाई २०१०

सं. U.12.14.SRS,KHK.PTMR.SMC.08--कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, १९५० के अधीन निगम की शक्तियाँ महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक २५ अप्रैल, १९५१ को हुई बैठक में पारित किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या पीटी-फाइल-यू-१३/१२/१३/२००५-पीटीएमआर (मैडी.-१) दिनांक ०४.०८.२००८ द्वारा ये शक्तियाँ आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित डॉक्टर (रों) को मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर निम्नलिखित तिथि तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को राज्य चिकित्सा आयुक्त, (गुजरात) द्वारा निर्धारित क्षेत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षण करने तथा मूल प्रमाणपत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूं :

डॉक्टर का नाम	अवधि	केन्द्र का नाम
डॉ. एस. आर. सोनी	११.१२.२००९ से १०.१२.२०१०	खोखरा, अहमदाबाद गुजरात एस. पी. सिंह राज्य चिकित्सा आयुक्त

दिनांक ७ जुलाई २०१०

सं. यू.१२.१४.डी.आई.सी.एस.आर.टी.पी.टी.एम.आर. एस.एम.सी.-०९--कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, १९५० के अधीन निगम की शक्तियाँ महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक २५ अप्रैल, १९५१ को हुई बैठक में पारित किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या पीटी-फाइल-यू-१३/१२/१३/२००५-पीटीएमआर (मैडी.-१) दिनांक ०४.०८.२००८ द्वारा ये शक्तियाँ आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित डॉक्टर (रों) को मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर निम्नलिखित तिथि तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को राज्य चिकित्सा आयुक्त, (गुजरात) द्वारा निर्धारित क्षेत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षण करने तथा मूल प्रमाणपत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूं :

डॉक्टर का नाम	अवधि	केन्द्र का नाम
डॉ. डी.आई. चौहान	०९.०५.२०१० से ०१.०१.२०११	सूरत, गुजरात एच. पी. सिंह राज्य चिकित्सा आयुक्त

सं. यू.१२.१४.पी.जे.एस. के.एल.एल. पी.टी.एम.आर. एस.एम.सी.-०७--कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) विनियम, १९५० के अधीन निगम की शक्तियाँ महानिदेशक को प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक २५ अप्रैल, १९५१ को हुई बैठक में पारित किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या पीटी-फाइल-यू-१३/१२/१३/२००५-पीटीएमआर (मैडी.-१) दिनांक ०४.०८.२००८ द्वारा ये शक्तियाँ आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित डॉक्टर (रों) को मानकों के अनुसार देय पारिश्रमिक पर निम्नलिखित तिथि तक एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को राज्य चिकित्सा आयुक्त, (गुजरात) द्वारा निर्धारित क्षेत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षण करने तथा मूल प्रमाणपत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूं :

डॉक्टर का नाम	अवधि	केन्द्र का नाम
डॉ. पी. जे. श्रीमाली	२०.०२.२०१० से १९.०२.२०११	कालोल (उ.गु.)/गुजरात एच. पी. सिंह राज्य चिकित्सा आयुक्त

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

चण्डीगढ़-१६००१७, दिनांक १२ जुलाई २०१०

एस.ओ. सं. अ.के.आ./पंजाब एवं हि.प्र./अधिसूचना/१(४)/२९७--जबकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग सहमत हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकोण उपबंध अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९)

के प्रावधान उनसे संबंधित निम्न स्थापना पर लागू होने चाहिए :--

कोड संख्या

स्थापना का नाम

व्याप्ति एवं मंजूरी की दिनांक

एचपी/3325

मैसर्स बजट साइंज

16.06.2004

अतः उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त एतद्वारा उक्त अधिनियम के प्रावधानों को उपर्युक्त स्थापना पर उसके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथि से लागू करता है।

वी. एन. शर्मा

अपर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त जैड (पं. एवं हि. प्र.)

भारतीय भेषजी परिषद्

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 जून 2010

सं. 17-1/2010-पी.सी.आई./8931-9040--भारतीय भेषजी परिषद् के 8 और 9 अप्रैल 2010 को सम्पन्न हुए 85वें अधिवेषन में पारित निम्नलिखित संकल्पों को भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 15 में विहित प्रावधानों के तहत राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है।

भेषजी डिप्लोमा

प्रस्ताव संख्या 85/पी.सी.आई./1397

“(1) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थान द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मेसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मेसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं शैक्षणिक सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है :--

विषय-वस्तु संख्या/ संस्था का नाम मिसिल संख्या	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित	परीक्षा प्राधिकरण का नाम
--	--------------------------------------	---------------------	-----------------------------

बिहार

363/17-95/2009-पी.सी.आई.

बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी
न्यू बैली रोड, दानापुर,
पटना - 801 503.

60 2010-2011

अध्यक्ष,
परीक्षा नियंत्रक (डिप्लोमा इन फार्मेसी)
डिपार्टमेंट ऑफ हैल्थ मैडिकल
एजूकेशन एण्ड फैमेली वेलफेअर
पटना - 800 001.

कर्नाटक

31/17-621/2004-पी.सी.आई.

श्रीनिवासा कॉलेज स्कूल ऑफ फार्मेसी,
नम्बर 38, थिरुमनाहल्ली,
हेगडेनगर मेन रोड, जव्हार पोस्ट,
येलाहंका होबली,
बंगलौर - 560 064.

60 2011-2012

सदस्य-सचिव
परीक्षा प्राधिकरण, समिति
कार्यालय, तृतीय तल,
राजकीय भेषजी महाविद्यालय
नं० 2, सुबह सर्कल
डॉ. पी. कलिंगा राव मार्ग
बंगलौर - 560 027.

39/17-297/95-पी.सी.आई.

गोल्डन कॉलेज ऑफ फार्मेसी
एन्डरसोनपैट, कोलार गोल्ड फिल्ड्स
(के जी एफ) - 563 113.

60 2010-2011

- उपरोक्त -

मध्य प्रदेश

44/17-838/08-पी.सी.आई.

आई.इ.एस. इन्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
कालखेड़ा रातिबाद, मेन रोड,
भोपाल

2006-2007 से
2011-2012 तक

निबंधक
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, एअरपोर्ट
बाईपास रोड, गांधी नगर
भोपाल - 462 036.

विषय-वस्तु संख्या/ मिसिल संख्या	संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित	परीक्षा प्राधिकरण का नाम
---------------------------------	---------------	-----------------------------------	------------------	--------------------------

महाराष्ट्र

48/17-20/2006-पी.सी.आई.
गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फार्मेसी,
विद्यानगर, तालुक कराड,
डिस्ट्रिक्ट सतारा - 415 124.

60

2011-2012

सचिव
महाराष्ट्र राज्य तकनीकी
शिक्षा समिति
राजकीय बहुतकनीकी भवन
तृतीय तल, 49, खेडवडी,
अली यावर जंग मार्ग, बांद्रा (पू.)
मुम्बई - 400 051.

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (2) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् द्वारा उपरोक्त परीक्षा प्राधिकरण द्वारा, उपरोक्त सत्र तक आयोजित भेषजी डिप्लोमा परीक्षा को, इस अधिनियम के अधीन भेषज़ा के रूप में पंजीकरण के लिए अहित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदित परीक्षा घोषित करती है।

भेषजी डिप्लोमा**प्रस्ताव संख्या 85/पी.सी.आई./1398**

“(1) भेषजी अधिनियम 1948 (1948 का 8) की धारा 12 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् निम्नलिखित संस्थान द्वारा संचालित डिप्लोमा फार्मेसी पाठ्यक्रम का, डिप्लोमा फार्मेसी की अनुमोदित परीक्षा में प्रवेश पाने के प्रयोजन के लिए उनके सामने अंकित संख्या एवं शैक्षणिक सत्र तक के संदर्भ में अनुमोदित घोषित करती है :-

विषय-वस्तु संख्या/ मिसिल संख्या	संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित	परीक्षा प्राधिकरण का नाम
---------------------------------	---------------	-----------------------------------	------------------	--------------------------

आञ्चलिक प्रदेश

263/32-508/2008-पी.सी.आई.
ललीता कॉलेज ऑफ फार्मेसी,
वेंकटपुर (विलेज) घाटकेसर (मण्डल)
रंगा रेड्डी डिस्ट्रिक्ट

60

2005-2006 से
2011-2012 तक

निबन्धक
ओसमानिया विश्वविद्यालय,
हैदराबाद - 500 007.

हरियाणा

124/32-401/07-पी.सी.आई.
जन नायक चौ० देवी लाल मैमोरियल
कॉलेज ऑफ फार्मेसी,
पोस्ट बॉक्स नं० 81, बरनाला रोड,
सिरसा - 125 055.

60

2011-2012

निबन्धक
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र - 136 119.

कर्नाटक

131/32-362/2002-पी.सी.आई.
सी.एम.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी,
सी.ए. नम्बर 5, 2 क्लॉस, 4 मेन, भुवानगरी,
ओ.एम.बी.आर-लैआउट, बंसावादी,
बंगलौर - 560 043.

60

2005-2006 से
2011-2012 तक

निवन्धक
राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान
विश्वविद्यालय, कर्नाटक,
चतुर्थ “टी” ब्लॉक, जयानगर,
बंगलौर - 560 041.

134/32-85/93-पी.सी.आई.
नूरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, एन्डरसोनपैट,
के.जी.एफ. - 563 113,
कोलार (डिस्ट्रिक्ट)

40

2010-2011

- उपरोक्त -

विषय-वस्तु संख्या/ मिसिल संख्या	संस्था का नाम	निम्नलिखित संख्या तक दाखिले सीमित	सत्र तक अनुमोदित	परीक्षा प्राधिकरण का नाम
------------------------------------	---------------	--------------------------------------	---------------------	-----------------------------

महाराष्ट्र

48/32-10/2000-पी.सी.आई. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कराड, विद्यानगर, ताल्लुक कराड, डिस्ट्रिक्ट सतारा – 415 124.	60	2011-2012	निबन्धक शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर कोल्हापुर – 416 001.
282/32-226/2005-पी.सी.आई. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फार्मेसी कथोरा नाका, नियर वी एम वी, अमरावती	60	2011-2012	निबन्धक संत गादगे अमरावती विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय परिसर, अमरावती – 444 602.

(2) भेषजी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 13 की उपधारा (1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में भारतीय भेषजी परिषद् द्वारा उपरोक्त परीक्षा प्राधिकरण द्वारा, उपरोक्त सत्र तक आयोजित भेषजी डिग्री परीक्षा का अनुमोदन इस अधिनियम के अधीन भेषजज्ञ के रूप में पंजीकरण के लिए अर्हित होने के प्रयोजनार्थ अनुमोदन वापस लेने की घोषणा करती है।

अर्चना मुद्गल
निबन्धक एवं सचिव

UNITED BANK OF INDIA

Kolkata-700001

UNITED BANK OF INDIA (SHARES & MEETINGS) REGULATIONS, 2010

In exercise of the powers conferred by Section 19(2) of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/80 the Board of Directors of United Bank of India after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of Central Government hereby makes the following Regulations namely –

CHAPTER - I

INTRODUCTORY

1.1. Short Title & Commencement

- i. These regulations may be called United Bank of India (Shares & Meetings) Regulations, 2010.
- ii. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions – In these regulations, unless there is any thing repugnant to the subject or context or meaning thereof –

- a. "Act" means the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970);
- b. "Bank" means United Bank of India, constituted under Section 3 of the Act;
- c. "Board" means the Board of Directors constituted under Section 9 of the Act;
- d. "Chairman" means the Chairman of the Board;
- e. "Committee" means a Committee constituted under Regulation 2A;
- f. "Executive Director" means the whole-time Director, not being the Managing Director;
- g. "General Manager" means General Manager of the Bank;
- h. "Management Committee" means a Committee constituted under Clause 13 of the Scheme;
- i. "Managing Director" means Managing Director of the Bank;
- j. "Register" means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in Computer floppies or diskettes under Sub

Section (2G) of Section 3 of the Act and register of beneficial owners maintained by and depository under section 11 of the Depository Act, 1996 (22 of 1996),

k. "Registrar" means the person appointed by the Bank for –

- (i) collecting applications from investors in respect of an issue;
- (ii) keeping a proper record of applications and monies received from the investors or paid to the seller of the securities;
- (iii) assisting the Bank in –
 - (a) determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange;
 - (b) finalising the list of persons entitled to allotment of securities;
 - (c) processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and
- (iv) such other functions as assigned from time to time by the Bank,

l. "Scheme" means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970;

m. "Share" means share in the share capital of the Bank;

n. "Share Transfer Agent" includes –

- (i) any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or
 - (ii) a department or division, (by whatever name called), of the Bank performing the activities referred in sub-clause (i);
- o. Words and expressions used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996, (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act,

p. The words and expressions used herein and not defined in these Regulations but defined in the Act or Schemes, or guidelines issued by the Securities and Exchange Board of India, and the guidelines framed by the Reserve Bank in pursuant to the powers conferred on it under the proviso to Clause (c) of Sub Section (2B) of Section 3 of the Act shall have the same meaning respectively assigned to them in the Act or the Scheme or the guidelines issued by the Securities and Exchange Board of India or framed by the Reserve Bank as the case may be.

- 2A. i. Except as provided in Clause II of Regulation 59, the Board may constitute as and when necessary, a Committee consisting of the Chairman and Managing Director, or in his absence Executive Director and two other directors as it may deem fit, for the purpose of these regulations; and
- ii. The Committee constituted under this regulation shall observe such rules of procedure as may be specified by the Board.

CHAPTER - II

SHARES AND SHARE REGISTER

3. Nature of shares

The Shares of the Bank shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.

4. Kinds of Share Capital

- i. "**Preference Share Capital**" means that part of share capital of the Bank which fulfils both the following conditions:
- A. as respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax; and
- B. as respect capital, it carries or will carry, on winding up to repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid-up or deemed to have been paid up, whether or not there is preferential right to the payment of either or both of the following amounts, namely:
- a. any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause (A) up to the date of winding up or repayment of capital; and
- b. any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.
- ii. "**Equity Share Capital**" means all share capital which is not preference share capital.
- iii. The expressions "Preference Share" and "Equity Share" shall be construed accordingly.

4A. Raising of Capital

- i. The Bank may raise capital by public issue or preferential allotment or private placement of Equity Shares or Preference shares.

- ii. The Bank shall formulate a proposal to raise capital in accordance with the guidelines, rules or regulations of the Securities and Exchange Board of India, relating to raising of such capital.
- iii. For raising capital by public issue or preferential allotment or private placement of Preference Shares, the extent of issue of each class of such Preference Shares (whether perpetual or irredeemable or redeemable) and the terms and conditions subject to which each class of such Preference Shares that may be issued by the Bank shall be determined in accordance with the guidelines framed by the Reserve Bank in pursuant to the provisions contained in the proviso to clause (c) of sub-section (2B) of section 3 of the Act.
- iv. The Bank shall submit the proposal to the Reserve Bank and take into account the views of the Reserve Bank before finalizing the proposal.
- v. The final proposal shall thereafter be submitted to the Central Government for its sanction and the Central Government may grant sanction subject to such terms and conditions as it may deem fit.
- vi. The Bank shall raise capital in accordance with the sanction of the Central Government.

5. Particulars to be entered in the register

- i. A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with Sub-Section 2 (F) of Section 3 of the Act.
 - ii. In addition to the particulars specified in sub-section 2 (F) of Section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.
 - iii. In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.
 - iv. Subject to the proviso of sub-section 2 (D) of section 3 of the Act, a Shareholder resident outside India may furnish to the Bank an address in India and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.
- 5A.**
- i. The Bank shall, unless the register is in such form as in itself to constitute an index, keep an index, which may be in form of a card index of the names of Shareholders and shall, within fourteen days after the date on which any alteration is made in the register of Shareholders, make the necessary alteration in the index.
 - ii. The index shall be kept with the register of Shareholders.

6. Control over Shares and Registers

Subject to the provisions of the Act, and these regulations, and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the Head Office of the Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a Shareholder in respect of any share shall be final.

7. Parties who may not be registered as Shareholders

- i. Except as otherwise provided by these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a Shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final.
- ii. In case of partnership firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm as such, shall be entitled to be registered as a Shareholder.

8. Maintenance of share register in computer system etc.

- i. The particulars required to be entered in the share register under sub-section 2(F) of section 3 of the Act, read with those mentioned in Regulation 5, shall be maintained under Sub-section 2(G) of Section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic / optical / magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "Media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at such location as may be decided from time to time by the Chairman & Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman & Managing Director (hereinafter referred to as the "Designated Official").
- ii. Particulars required to be entered in the share register under Section 3 (B) of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.
- iii. The register in electronic form shall be maintained subject to such safeguards as stipulated for securing electronic records under the Information Technology Act, 2000 (21 of 2000).

9. Safeguards for protection of Computer System

- i. The access to the system set out in Regulation 8.1 in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and/ or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman & Managing Director or the Designated Official and the password, if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons.

- ii. The access by the authorised persons shall be recorded in logs by the computer system and such logs shall be preserved with the official / persons designated in this behalf by the Chairman & Managing Director or the designated official.
- iii. Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman & Managing Director or the designated official, incorporating the changes made in the register of Shareholders. At least one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman & Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location.
- iv. It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.
- v. It shall be competent for the Chairman & Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the Shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology and / or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.

10. Exercise of rights of joint holders

If any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with the Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

11. Inspection of Register

- i. The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any Shareholder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.
- ii. Any Shareholder may make extracts of any entry in the register or computer prints free of charge or if he requires a copy or computer prints of the register or any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payment at the rate of Rs. 5/- or at such rate as the Board may decide for every 1000 words or fractional part thereof required to be copied.

- iii. Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii), any duly authorised officer of the Government, shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the register

The Bank may, after ensuring compliance of the applicable guidelines and the listing agreement with the Stock Exchanges, and after giving not less than seven days previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the Register of Shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as may in its opinion, be necessary.

13. Share Certificates

- i. Each share certificate shall bear share certificate number, a distinctive number, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the Shareholder to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.
- ii. Every share certificate shall be issued under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer not below the rank of Scale-II or the Company Secretary appointed by the Board for the purpose.

Provided that the signature of the directors may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

- iii. A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.

- iv. No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.

14. Issue of Share Certificates

- i. While issuing share certificates to any Shareholder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred.
- ii. If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.

- iii. In respect of any share or shares held jointly by several persons, the Bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Issue of new or duplicate share certificate

- i. If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- ii. If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the Committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the Committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to the Bank of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and sub-division of shares

On a written application made by the Shareholder(s), the Board or the Committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation / sub-division as the case may be and issue a new certificate(s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter.

17. Transfer of shares

- i. Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in Form A annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee along with the relative share certificate.
- ii. The instrument of transfer along with the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.
- iii. Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer along with a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the Committee designated by the Board shall forward the instrument of transfer along with the share certificate to the Registrar or Share Transfer Agent for the purpose of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The Registrar or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer along with the share certificate, if any, to the transferee for resubmission unless the instrument of transfer is presented to the Bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of shares to

which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.

Explanations: - "Technical requirements" means -

- (a) Transfer deed shall be duly stamped
- (b) Certificate no. or distinctive no. mentioned in the transfer deed shall tally with the share certificate.
- (c) Transferor's signature shall tally.
- (d) Transfer deed shall be witnessed.

iv. The Board or the Committee designated by the Board shall, unless it refuses to register the transfer under regulation 19 hereinafter, cause the transfer to be registered.

v. Unless the transfer of shares is refused under regulation 19, the share certificate duly transferred shall be delivered to the transferee within sixty days from the date of lodging of the instrument of transfer.

18. Power to suspend transfers

The Board or the Committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

19. Board's right to refuse registration of transfer of shares

- i. The Board or Committee may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds:
 - a. the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;
 - b. the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;
 - c. the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force;
 - d. an individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof, shares of the Bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20% (twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

- ii. The Board or the Committee shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer form its opinion as to whether such registration ought or ought not to be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i).
- If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration; and
 - If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the grounds mentioned in sub-regulation (i) intimate the same to the Transferor and the Transferee by notice in writing giving reasons for such refusal within 60 days from the receipt of the transfer from or within such period as may be laid down in the Listing Agreement with the concerned Stock Exchange.

20. Transmission of shares in the event of death, insolvency, etc.

- The executors or administrators of a deceased share holder in respect of a share, or the holder of letter of probate or letters of administration with or without the will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by the Bank as having any title to such share.
- In the case of shares registered in the name of two or more Shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of letters of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by the Bank as having any title to such share.
- The Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of letters of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a Shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of

the insolvency, bankruptcy or liquidation of a Shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right:

- a) to be registered as a Shareholder in respect of such share.
- b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

21. Shareholder ceasing to be qualified for registration

It shall be the duty of any person registered as a Shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.

Explanation - For the purposes of this regulation, a Shareholder may cease to be qualified for registration, -

- (a) If he is a guardian of minor, on the minor attaining the majority;
- (b) If he is holding shares as a Karta, on his ceasing to be a Karta.

22. Calls on shares

The Board may, from time to time, make such calls as it thinks fit upon the Shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each Shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be payable by instalments.

23. Calls to date from resolution

A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the Shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

24. Notice of call

A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the Shareholders revoke the same.

25. Extension of time for payment of call

Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the Shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no Shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.

26. Liabilities of joint holders

The joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.

27. Amount payable at fixed time or by instalments as calls

If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.

28. When interest on call or instalment payable

If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.

29. Non-payment of calls by Shareholder

No Shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a Shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.

30. Notice on non-payment of call or instalment

If any Shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, the Bank may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgement or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such Shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or

(otherwise) that may have been paid or incurred by the Bank by reason of such non-payment.

31. Notice of Forfeiture

The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.

32. Shares to be forfeited on default

If the requirement of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect at its next meeting to be held after the expiry of the notice of forfeiture under regulation 31. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

33. Entry of forfeiture in the register

When any share has been forfeited under regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.

34. Forfeited shares to be property of the Bank and may be sold

Any share so forfeited shall be deemed to be the property of the Bank and may be sold, re-allotted or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide.

35. Powers to annul forfeiture

The Board may, at any time, before any share so forfeited under regulation 32 shall have been sold, re-allotted or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit.

36. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest

Any share holder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay shall and forthwith pay to the Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of forfeiture with interest thereon from the time of the forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.

37. Partial payment not to preclude forfeiture

Neither a judgement nor a decree in favour of the Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by the Bank of a portion of any money which shall be due from any Shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by the Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

38. Forfeiture of share extinguishes all claims against Bank

The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of the forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.

39. Original shares null and void on sale, re-issue, re-allotment or disposal on being forfeited

Upon any sale, re-issue, re-allotment or other disposal under the provision of the preceding regulations, certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered to it by the defaulting member) stand cancelled and become null and void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.

40. Application of forfeiture provisions

The provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made.

41. Lien on shares

- i. The Bank shall have a first and paramount lien
 - a. on every share (not being a fully-paid share), for all moneys (whether presently payable or not) called, or payable at a fixed time, in respect of that share.
 - b. on all shares (not being fully-paid shares), standing registered in the name of a single person, for all moneys presently payable by him or his estate in the Bank.
 - c. upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts ; liabilities, and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment fulfilment, or discharge thereof

shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognized by the Bank over its lien.

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from provisions of this clause.

- ii. The Bank's lien, if any, on a share shall extend to all dividends payable thereon.

42. Enforcing Lien by Sale of Shares

- i. The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien:

- a. if a sum in respect of which the lien exists is presently payable; and
 - b. after the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.
- ii. To give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof.

43. Application of proceeds of sale of shares

The net proceeds of any sale of shares under Regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, be paid to the Shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

44. Certificate of forfeiture

A certificate in writing under the hands of any director, or Company Secretary or any other officer of the Bank not below the rank of Scale II duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

45. Title of purchaser and allottee of forfeited share

The Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, re-allotment or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, re-allotted or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall

his title to the share be affected by any irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, re-allotment or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against the Bank exclusively.

46. Service of a notice or document to Shareholders

- i. The Bank may serve a notice or a document on any Shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him.
- ii. Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice:

Provided that where a Shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due or by courier service or in an electronic mode and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the Shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post or electronic media, as the case may be.

- iii. A notice or a document advertised in an English newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every Shareholder of the Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him.
- iv. A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares.
- v. A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a Shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.

vi. The signature to any notice to be given by the Bank may be written or printed.

CHAPTER III

SECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. Agreement between a depository and the Bank

The Bank may enter into an agreement with one or more depository as defined in section 2 (e) of the Depositories Act, 1996 to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.

CHAPTER IV

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

48. Notice Convening an Annual General Meeting

- i. A notice convening an annual general meeting of the Shareholders signed by the Chairman and Managing Director or Executive Director or any officer not below the rank of Scale VII or Company Secretary shall be published at least 21 clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.
- ii. Every such notice shall state the time, date and place of such meeting and also the business that shall be transacted at that meeting.
- iii. The time and date of such meeting shall be as specified by the Board. The meeting shall be held at the place of Head Office of the Bank.

49. Extraordinary General Meeting

- i. The Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of Shareholders, if so directed by the Board, or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central Government or from other Shareholders holding shares carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the Shareholders.
- ii. The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.
- iii. Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting signed by one or some of them shall, for the purpose of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.

- iv. The time, date of place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board:

Provided that the Extra Ordinary General Meeting convened on the requisition by the Central Government or other Shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.

- v. If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (i), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (iv), the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition :

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.

- vi. A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

50. Quorum of general meeting

- i. No business shall be transacted at any meeting of the Shareholders unless a quorum of at least five Shareholders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business.
- ii. If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present in the case of a meeting called by a requisition of Shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.
- iii. In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the Shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such adjourned meeting shall be quorum and may transact the business for which the meeting was called :

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which such annual general meeting shall be held in terms of Section 10A(1) of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those Shareholders who are

present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

51. Chairman at general meeting

- i. The Chairman & Managing Director or in his absence the Executive Director or in his absence such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman & Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the Chairman of the Meeting and if the Chairman & Managing Director or the Executive Director or any other Director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.
- ii. The Chairman of the general meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the Shareholders may address the meeting to fix a time limit for speeches, to apply the closure when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

52. Persons entitled to attend general meetings

- i. All directors and all Shareholders of the Bank shall, subject to the provisions of sub regulation (ii) be entitled to attend a general meeting.
- ii. A Shareholder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the Chairman containing particulars relating to:
 - (a) his full name and registered address;
 - (b) the distinctive numbers of his shares;
 - (c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

53. Voting at general meetings

- i. At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded be decided on a show of hands.
- ii. Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.
- iii. Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings shall be conclusive

evidence of the fact, without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.

- iv. Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the Chairman of the meeting of his own motion and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any Shareholder or Shareholders present in person or by proxy and holding shares in the Bank which confer a power to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.
- v. The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.
- vi. A poll demanded on a question of adjournment or election of Chairman of the meeting shall be taken forthwith.
- vii. A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the Chairman of the meeting may direct.
- viii. The decision of the Chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

53 A. Scrutinisers at Poll

- i. Where a poll is to be taken, the Chairman of the meeting shall appoint two scrutinisers to scrutinize the votes given on the poll and to report thereon to him.
- ii. The Chairman of the meeting shall have the power, at any time before the result of the poll is declared, to remove a scrutiniser from the office and to fill the vacancy in the office of the scrutinisers arising from such removal or from any other cause.
- iii. Of the two scrutinisers appointed under this regulation one shall always be a Shareholder (not being an Officer or employee of the Bank) present at the meeting; provided that such a Shareholder is available and willing to be appointed.

53 B. Manner of taking poll and result thereof

- i. The Chairman of the meeting shall have power to regulate the manner in which a poll shall be taken.
- ii. The result of the poll shall be deemed to be the decision of the meeting on the resolution on which the poll was taken.

54. Minutes of general meetings

- i. The Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.
- ii. Any such minutes, if purporting to be signed by the Chairman of the meeting at which the proceedings were held or by the Chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings.
- iii. Until the contrary is proved, every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held and all proceedings held thereat to have been duly held.
- iv. On written request made by a Shareholder for inspection of the minute book or for a copy of the minute of a specified meeting, the Bank shall allow the inspection or furnish the copy of the minute, as the case may be, to the Shareholder.

CHAPTER V**ELECTION OF DIRECTORS****55. Directors to be elected at general meeting**

- i. A director(s) under clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the Shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of the Bank.
- ii. Where an election of a director is to be held at any general meeting, the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

56. List of Shareholders

- i. For the purpose of election of a director under sub-regulation (i) of Regulation 55 of these regulations, a list shall be prepared of Shareholders on the register by whom the director is to be elected.
- ii. The list shall contain the names of the Shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number of votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase at least three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board or the Management Committee, on application at the Head Office.

57. Nomination of candidates for election

- i. No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless:
 - a. He is a Shareholder holding not less than 100 (One hundred) shares in the Bank;
 - b. He is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme;
 - c. He has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call;
 - d. The nomination is in writing signed by at least one hundred Shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a Shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the Head Office of the Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such company;
 - e. The nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Gazetted Officer or an Officer of the Reserve Bank of India or any nationalised Bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director;
- ii. No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of the Bank on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

58. Scrutiny of nominations

- i. Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event, there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.

- ii. In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected, the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.
- iii. A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

59. Election Disputes

- i. If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or Shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the Chairman and Managing Director of the Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.
- ii. On receipt of intimation under sub-regulation (i), the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of the Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) & (c) of sub-section (3) of section 9 of the Act.
- iii. The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared result of the election or, if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.
- iv. An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

60. Determination of voting rights

- i. Subject to the provisions contained in Section 3 (2E) of the Act, each Shareholder who has been registered as a Shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.

- ii. Subject to the provisions contained in Section 3 (2E) of the Act, every Shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is present by a duly authorised representative, or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated hereinabove in sub-regulation (i).

Explanation – For this Chapter, "**Company**" means any body corporate.

- iii. Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a Shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

61. Voting by duly authorised representative

- i. A Shareholder, being the Central Government or a company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the Shareholders and the person so authorised (referred to as a "**duly authorised representative**" in these regulations) shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or company which he represents as if he were an individual Shareholder of the Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government / company.
- ii. No person shall attend or vote at any meeting of the Shareholders of the Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

62. Proxies

- i. No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual Shareholder, it is signed by him or by his attorney duly authorised in writing or in the case of joint holders, it is signed by the Shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or any attorney duly authorised in writing.

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any Shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government Gazetted Officer or an Officer of the Bank.

- ii. No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the

meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with the Bank.

- iii. No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form "B"
- iv. An instrument of proxy deposited with the Bank shall be irrevocable and final.
- v. In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.
- vi. The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.
- vii. No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of the Bank.

For United Bank of India
Company Secretary

FORM 'A'

UNITED BANK OF INDIA
SHARE TRANSFER FORM
(See Sub Regulation (i) of regulation 17)

FOR THE CONSIDERATION stated below the [Transferor(s)] named do hereby transfer to the [Transferee(s)] named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the [Transferor(s)] and the [Transferee(s)] do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the condition aforesaid.

Full Name of Company	Name of the recognised Stock Exchange, where dealt in, if any
----------------------	---

Description of Equity Shares			
No. in Figures	Number in words	Consideration (in figures)	Consideration (in words)

Distinctive Numbers	From To
---------------------	------------

Corresponding

Certificate Nos.

Transferor(s) {Seller(s)}

Regd. Folio No.

Signature(s)

Particulars

Name (s) in full

1. _____

1. _____

2. _____

2. _____

3. _____

3. _____

4. _____

4. _____

ATTESTATION

I hereby attest the signature of the
Transferor(s) herein mentioned

Signature of witness

Signature

Name and address of witness

Name

Address / Seal

PIN

Transferee(s)

{ Buyer (s) } Particulars Signature(s)

Name (s) in full

1. _____

1. _____

2. _____

2. _____

3. _____

3. _____

Occupation

Address

Father's / Husband's Name

1. _____

2. _____

3. _____

Transferee (s) existing

Folio, if any, in same

order of Names

Value of

Stamps affixed Rs. _____

Dated this

day of

Two Thousand

Place

For Office use only

Checked by _____

Signatures tallied by _____

Entered in Register of
Transfer No. _____ Approval
Date _____

(Folio) (.....)	(Company Code) (.....)
Specimen Signature(s) Of Transferee(s)	1. _____ 2. _____ 3. _____

Instruction for attestation :

Attestation, where required (thumb impressions, marks, signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE : Names must be rubber stamped preferably in a straightline, Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering
broker or Clearing
member

Date _____

POWER OF ATTORNEY /
PROBATE/DEATH CERTIFICATE
.....**LETTERS OF ADMINISTRATION**.....
Registered with the Company

No..... Date.....

{Signature (not initials) of broker,
Bank, Company or Stock
Exchange Clearing House}

LODGED BY: _____

FULL ADDRESS : _____

SHARE CERTIFICATE TO BE
RETURNED TO (FILL IN THE
NAME AND ADDRESS TO
WHICH THE CERTIFICATES
ARE REQUIRED TO BE
RETURNED)

Name & Address :

Share Transfer Stamps

UNITED BANK OF INDIA

FORM 'B'

FORM OF PROXY

(See Sub Regulation iii of Regulation 62)

Folio No. _____

(To be filled in by the Shareholder)

I / We, resident of _____ in the district of _____
 in the state of _____ being a Shareholder / Shareholders of the United Bank
 of India hereby appoint Mr. / Mrs. / Miss _____ resident of _____
 in the district of _____ in the State of _____
 _____ or failing him, Mr. / Mrs./ Miss _____ resident of _____
 _____ in the district of _____ in the state of _____
 meeting of the share holders of the United Bank of India to be held on the _____ day of
 20 _____ and at any adjournment thereof.

Signed this _____ day of _____ 20, _____

Affix

Name : _____

Revenue Stamp

Address : _____

EMPLOYEES STATE INSURANCE CORPORATION

Ahmedabad, the 2nd July 2010

File No. U.12.14.SRS.KHK.PTMR.SMC.08—In pursuance of resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25.04.1951 conferring upon the Director General the power of Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such power further delegated to me vide Director General order on File No. Pt. File-U-13/12/13/2005-PTMR-(Med.-I). dated 04.08.2008. I hereby authorized the following doctor(s) to function as Medical authority at a monthly remuneration at a in accordance with norms w.e.f. the date given below for one year or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centers as stated below for areas allocated by undersigned, for the purpose of medical examination of insured persons and grant of further certification to them, when the correctness of the orginal certificates is in doubt.

Name	Period From to 1 (Year)	Name of Center Place/Distt./State
Dr. S. R. Soni	11.12.2009 To 10.12.2010	Khokhra, A'bad/Gujarat.

H. P. SINGH
State Medical Commissioner

The 7th July 2010

File No. U.12.14.DIC.SRT.PTMR.SMC.09—In pursuance of resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25.04.1951 conferring upon the Director General the power of Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such power further delegated to me vide Director General order on File No. Pt. File-U-13/12/13/2005-PTMR-(Med.-I). dated 04.08.2008. I hereby authorized the following doctor(s) to function as Medical authority at a monthly remuneration at a in accordance with norms w.e.f. the date given below for one year or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centers as stated below for areas allocated by undersigned, for the purpose of medical examination of insured persons and grant of further certification to them, when the correctness of the orginal certificates is in doubt.

Name	Period From to 1 (Year)	Name of Center Place/Distt./State
Dr. D. I. Chauhan	09.05.2010 To 01.01.2011	Surat/Gujarat

H. P. SINGH
State Medical Commissioner

File No. U.12.14.PJS.KLL.PTMR.SMC.07—In pursuance of resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25.04.1951 conferring upon the Director General the power of Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulation, 1950 and such power further delegated to me vide Director General order on File No. Pt. File-U-13/12/13/2005-PTMR-(Med.-I). dated 04.08.2008. I hereby authorized the following doctor(s) to function as Medical authority at a monthly remuneration at a in accordance with norms w.e.f. the date given below for one year or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, for centers as stated below for areas allocated by undersigned, for the purpose of medical examination of insured persons and grant of further certification to them, when the correctness of the orginal certificates is in doubt.

Name	Period From to 1 (Year)	Name of Center Place/Distt./State
Dr. P. J. Shrimali	20.02.2010 To 19.02.2011	Kalol(N.G)/Gujarat

H. P. SINGH
State Medical Commissioner

EMPLOYEES' PROVIDENT FUND ORGANISATION

Chandigarh, the 12th July 2010

S.O. No. ACC/PB & HP/Notification/1(4)/297—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of the employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely :—

Code No.	Name of Establishment	Date of Coverage & Consent
HP/3325	M/s Budget Signs	16.06.2004

Now, therefore in exercise of the powers Conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, Addl. Central Provident Fund Commissioner hereby apply the provisions of the said Act of the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of each of the said establishments.

V. N. SHARMA
Addl. Central P. F. Commissioner (Z)
PB & HP

PHARMACY COUNCIL OF INDIA

New Delhi-110002, the 11th June 2010

Ref. No. 17-1/2010-PCI/8931-9040—The following resolutions passed by the Pharmacy Council of India in its 85th Central Council meeting held on 8th & 9th April, 2010 are published hereunder as required under Section 15 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948):

DIPLOMA IN PHARMACY

Resolution No. 85/PCI/1397

"(1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma course in Pharmacy conducted by institutions mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Diploma in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

<u>Item No./ File No.</u>	<u>Name of institutions</u>	<u>For admissions Limited to</u>	<u>Approved upto Academic session</u>	<u>Name of the Examining Authority</u>
<u>BIHAR</u>				
363/17-95/2009-PCI		60	2010-2011	The Chairman, Controller of examination (Diploma in Pharmacy) Dept. of Health Medical Education & F.W. Patna – 800 001 (Bihar).
<u>KARNATAKA</u>				
31/17-621/04-PCI		60	2011-2012	The Member Secretary O/o the Board of Examining Authority, III Floor Govt. College of Pharmacy, No.2, Subbaiah Circle, Dr. P. Kalinga Rao Road Bangalore – 560 027.
39/17-297/95-PCI		60	2010-2011	- do -
<u>MADHYA PRADESH</u>				
44/17-838/08-PCI		60	From 2006-2007 to 2011-2012	The Registrar, Rajiv Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalaya Airport, Byepass Road, Gandhi Nagar Bhopal – 462 036.
IES Institute of Pharmacy, Kalkheda Ratibad, Main Road, Bhopal.				

<u>Item No./ File No.</u>	<u>Name of institutions</u>	<u>For admissions Limited to</u>	<u>Approved upto Academic session</u>	<u>Name of the Examining Authority</u>
MAHARASHTRA				
48/17-20/2006-PCI	Govt. College of Pharmacy, Karad, Vidyanagar, Tal. Karad, Distt. Satara – 415 124.	60	2011-2012	The Secretary, Maharashtra State Board of Technical Education, Govt. Polytechnic Building, III Floor, 49, Kherwadi, Ali Yawar Jung Marg, Bandra (E) Mumbai - 400 051.

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Diploma Examination in Pharmacy held by the above mentioned Examining Authorities, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

Resolution No. 85/PCI/1398

DEGREE IN PHARMACY

"(1) In pursuance of the provisions of sub section (1) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree course in Pharmacy conducted by institutions mentioned below to be an approved course of study for the purpose of admission to an approved examination for Degree in Pharmacy in respect of number of students and academic session as specified here under :

<u>Item No./ File No.</u>	<u>Name of institutions</u>	<u>For admissions Limited to</u>	<u>Approved upto Academic session</u>	<u>Name of the Examining Authority</u>
-------------------------------	-----------------------------	--------------------------------------	---	--

ANDHRA PRADESH

263/32-508/2008-PCI	Lalitha College of Pharmacy Venkatpur (V), Ghatkesar (M), R.R. Distt.	60	From 2005-2006 to 2011-2012	The Registrar Osmania University Hyderabad – 500 007.
---------------------	---	----	--------------------------------	---

HARYANA

124/32-401/07-PCI	Jan Nayak Ch. Devi Lal Memorial College of Pharmacy, Post Box No. 81, Barnala Road, Sirsa – 125 055.	60	2011-2012	The Registrar Kurushetra University, Kurushetra – 136 119 Haryana
-------------------	---	----	-----------	--

KARNATAKA

131/32-362/06-PCI	C.M.R. College of Pharmacy, C.A. No.5, 2 nd Cross, 4 th Main, Bhuvanagiri, OMBR-Layout, Banasawadi, Bangalore – 560 043.	60	From 2005-2006 to 2011-2012	The Registrar, Rajiv Gandhi Univ. of Health Scs., Karnataka, 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore – 560 041.
-------------------	--	----	--------------------------------	---

134/32-85/93-PCI	Noorie College of Pharmacy, Andersonpet, K.G.F. – 563 113, Kolar (Dist.)	40	2010-2011	- do -
------------------	--	----	-----------	--------

<u>Item No./ File No.</u>	<u>Name of institutions</u>	<u>For admissions Limited to</u>	<u>Approved upto Academic session</u>	<u>Name of the Examining Authority</u>
MAHARASHTRA				
48/32-10/2000-PCI	Govt. College of Pharmacy, Karad, Vidyanagar, Tal. Karad, Distt. Satara – 415 124.	60	2011-2012	The Registrar Shivaji University Vidyanagar Kolhapur – 416 001.
282/32-226/2005-PCI	Government College of Pharmacy Kathora Naka, Near VMV, Amravati.	60	2011-2012	The Registrar, Sant Gadge Amravati University Tapovan Road, Amravati – 444 602.

(2) In pursuance of the provisions of sub-section (2) of section 12 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), the Pharmacy Council of India declares the Degree Examination in Pharmacy held by the above mentioned Examining Authorities, during the session mentioned above to be an approved examination for the purpose of qualifying for registration as a Pharmacist under the said Act.”

ARCHNA MUDGAL
Registrar-cum-Secretary